लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

मंगलवार, 4 अगस्त , 2026

वर्ष : 11 । अंक: 335

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

क्रोध एक ऐसा तेज़ाब है, जो उस पात्र को ज़्यादा नुकसान पहुँचाता है जिसमें वह रखा जाता है।

TODAY WEATHER

DAY 32° Hi

NIGHT 28° Low

संक्षेप

'छात्रों के खिलाफ FIR न करने के वादे पर हम गंभीर', केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में बताया

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि पेपर लीक को लेकर विरोध करने वाले छात्रों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई न करने के अपने वादे पर वह अब भी गंभीर है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने पिछले महीने अपना विरोध प्रदर्शन इस आश्वासन के बाद खत्म कर दिया था कि जवाबदेही और परीक्षा सुधारों की मांग करने के लिए राजधानी के मुख्य इलाके में जमा हुए हजारों वॉलंटियर्स के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, 'प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर के बारे में कुछ गलतफहमी या गलत जानकारी थी। मुझे यह कहने के निर्देश मिले हैं कि सरकार छात्रों से किए गए उस वादे को लेकर गंभीर है।' वकील वृंदा ग्रोवर ने यह जानना चाहा कि क्या प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस ली जाएंगी या रद की जाएंगी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यह मुद्दा शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने से जुड़ा है। उन्होंने कहा, 'ये युवा हैं जिनकी जिंदगी अभी बाकी है। एफआईआर रद कराने के लिए भी हमारे पास बिहार, बंगाल, असम, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में एफआईआर हैं। राज्यों के साथ इस मामले को सुलझाने के बाद हम इस कोर्ट में वापस आएंगे।' इस पर मेहता ने कहा कि इसे चाहे किसी भी कानूनी रूप से मान्य तरीके से किया जाए, सरकार अपने वादे पर कायम है।

नागपुर में गडकरी के घर का घेराव करने पहुंचे कांग्रेसी, पुलिस ने हिरासत में लिया

नागपुर, एजेंसी। नागपुर पुलिस ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के नागपुर आवास की ओर मार्च कर रहे भारतीय यूथ कांग्रेस और एनएसयूआई के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया है। मेहुल आडवाणी जैसे स्थानीय नेताओं की अगुवाई में हुए इस विरोध-प्रदर्शन का मुख्य कारण E20 (20% इथेनॉल-मिश्रित) पेट्रोल को अनिवार्य बनाए जाने के खिलाफ जनता का असंतोष था। यूथ कांग्रेस नेता मेहुल आडवाणी ने कहा, 'हम हम पर थोपे जा रहे E-20 का विरोध करते हैं। हम अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।' विरोध कर रहे संगठनों का कहना है कि E20 पेट्रोल से वाहनों के इंजन को नुकसान पहुंच रहा है और माइलेज में गिरावट आ रही है। विशेष रूप से पुराने वाहनों के लिए इसे हानिकारक बताया जा रहा है। यूथ कांग्रेस ने मांग की है कि उपभोक्ताओं को बिना इथेनॉल वाले सामान्य पेट्रोल को भी खरीदने का स्पष्ट विकल्प मिलना चाहिए। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और केंद्र सरकार ने इस नीति का पुरजोर बचाव किया है। सरकार का तर्क है कि इथेनॉल ब्लेंडिंग से भारत के कच्चे तेल के आयात बिल में भारी कटौती होती है, कार्बन उत्सर्जन घटता है और स्थानीय किसानों को सीधा आर्थिक लाभ पहुंचता है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने ईंधन से जुड़े अनसुलझे दावों को गैर-वैज्ञानिक और भ्रामक करार दिया है। इस विरोध के बीच नागपुर साइबर पुलिस ने सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरें फैलाने वालों पर शिकंजा कसा है। भारतीय न्याय संहिता के तहत कई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और कंटेंट क्रिएटर्स के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

पहले राम मंदि विरोध, अब चंदे पर सवाल! योगी ने सपा के दोहरे रवैये पर बोला हमला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अयोध्या में राम मंदिर के लिए चंदे के प्रबंधन में गड़बड़ी के आरोपों को लेकर विपक्ष पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जो लोग यह मुद्दा उठा रहे हैं, उन्होंने पहले मंदिर निर्माण का विरोध किया था। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मॉनसून सत्र की शुरुआत से पहले पत्रकारों से बात करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या का मुद्दा उन लोगों द्वारा उठाया जा रहा है जिन्होंने पहले विरोध प्रदर्शनों के दौरान राम भक्तों के खिलाफ कार्रवाई की थी।

योगी ने किसी पार्टी का नाम लिए बिना कहा कि अयोध्या का मुद्दा वे लोग उठा रहे हैं जिन्होंने राम भक्तों पर गोलियां चलाई थीं। ये वही लोग हैं जो 'जय श्री राम' का नारा लगाने पर लाठीचार्ज और गोलीबारी का सहारा लेते थे। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि जो लोग मंदिर के दान के प्रबंधन पर सवाल उठा रहे हैं, उन्होंने पहले कानूनी अड़चनें डालकर राम मंदिर के निर्माण में देरी करने की कोशिश की थी। उन्होंने कहा कि वे राम मंदिर के लिए मिले दान की चोरी की बात तो करते हैं, लेकिन मंदिर के निर्माण के लिए उनकी जेब से एक पैसा भी नहीं आया। देश और दुनिया उनके दोहरे मापदंड देख रही है।

उनके ये बयान तब आए जब समाजवादी पार्टी (SP) के विधायकों ने सत्र के पहले दिन विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने अयोध्या राम मंदिर चंदे से जुड़े कथित मामले, NEET पेपर लीक, बिजली की समस्या और खाद की कमी को लेकर नारे लगाए। SP नेता शिवपाल सिंह यादव ने तीन दिन का सत्र बुलाने के लिए सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि वह जनता से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा से बच रही है।

यादव ने पत्रकारों से कहा कि तीन दिन का सत्र बुलाकर यह सरकार निंदनीय काम कर रही है। राज्य में कई समस्याएं हैं और सरकार इन मुद्दों से भाग रही है। विरोध प्रदर्शन के दौरान SP विधायकों ने चंदा चोर गद्दी छोड़ जैसे नारे लगाए और BJP सरकार पर जनता की चिंताओं को दूर करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया। विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि SP बिना किसी ठोस एजेंडे के मुद्दे खड़े करने की कोशिश कर रही है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी विपक्ष पर मुद्दों और एजेंडे की कमी का आरोप लगाया।

बृजभूषण शरण सिंह के बाइज्जत बरी होने से उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में कई सारे समीकरण बदलने वाले हैं

करीब तीन वर्षों तक देश की राजनीति, खेल जगत और मीडिया के केंद्र में रहे पूर्व भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) अध्यक्ष एवं पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को आखिरकार दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत से बड़ी राहत मिल गई। महिला पहलवानों द्वारा दर्ज यौन उत्पीड़न मामले में अदालत ने उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया। वैसे बृजभूषण शरण सिंह पर लगे आरोपों के समर्थन में जिस तरह तमाम विपक्षी नेता खड़े हो गये थे उसके चलते यह सब कुछ शुरू से ही राजनीतिक षड्यंत्र नजर आ रहा था। उल्लेखनीय है कि जंतर मंतर पर पहलवानों का धरना प्रदर्शन कराया गया था और धरने के मंच पर तमाम बड़े विपक्षी नेता पहुँचे थे और मंच से दिये गये भाषणों के जरिये भाजपा को महिला विरोधी बताया जा रहा था। साथ ही बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ देशभर में माहौल बनवाने और मीडिया ट्रायल के जरिये उनकी छवि बिगाड़ने के तमाम प्रयास किये गये थे।

बृजभूषण के बरी होने पर बोलीं विनेश फोगाट– सारा तंत्र बचाने में लगा था, प्रियंका गांधी ने भी सरकार को घेरा

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला पहलवानों से उत्पीड़न के मामले में बीजेपी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह को दिल्ली राउज एवेन्यू कोर्ट ने बरी कर दिया है। भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) के अध्यक्ष रह चुके बृजभूषण शरण सिंह के बरी होने पर विनेश फोगाट और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने अपनी प्रतिक्रिया दी। विनेश ने सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा कि हमें सड़क पर उतरने और सत्ताधारी पार्टी के एक बाहुबली नेता के खिलाफ FIR दर्ज करवाने के लिए बहुत हिम्मत जुटानी पड़ी थी। विनेश ने बताया कि सत्ता और अपने बाहुबल के दम पर बृजभूषण ने कई लड़कियों को डराकर उनके नाम वापस करवाए हैं। विनेश ने कहा कि पर कई महिला पहलवान खड़ी रहीं और कोर्ट में बृजभूषण के खिलाफ लड़ाई लड़ती रहीं। हमें इस बात का बहुत दुख है कि अदालत ने बृज भूषण शरण सिंह को महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन हिंसा के आरोपों में दोषी नहीं माना। विनेश ने आरोप लगाया कि शुरु दिन से ही सारा तंत्र, सरकार और ये सिस्टम बृजभूषण को बचाने के लिए लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि महिला पहलवानों ने अपने वकीलों को इस फैसले के खिलाफ अपील करने का निर्देश दे दिया है, और यह जल्द से जल्द की जाएगी। हमने उम्मीद नहीं छोड़ी है और पहलवान अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।

'ये महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं'

वहीं कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि, "एक तरफ तो वे कहते हैं कि वे युवा पीढ़ी के साथ हैं, महिला सशक्तिकरण और महिला आरक्षण की बात करते हैं, और दूसरी तरफ ये हमारे सामने है।"

नायडू सरकार में कानून व्यवस्था चौपट, बदले की राजनीति चरम पर: जगन

नई दिल्ली, एजेंसी। युवजन श्रमिक रायतू कांग्रेस पार्टी (YSRCP) के प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू पर तीखा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था खत्म हो गई है और जंगल राज चल रहा है, जिसमें विपक्ष के खिलाफ बदले की राजनीति की जा रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर जारी एक लंबे बयान में, YSRCP प्रमुख ने हाल ही में आधी रात को हुई पुलिस की छापेमारी और पार्टी नेताओं की गिरफ्तारी पर सवाल उठाए। रेड्डी ने खास तौर पर अलूर के विधायक विरुपाक्षी के मामले का ज़िक्र किया। जगन ने कहा कि नारा चंद्रबाबू नायडू के शासन में कानून-व्यवस्था का बुरा हाल है। हमलावरों को सुरक्षा मिलती है और पीड़ितों पर आपराधिक मामले दर्ज किए जाते हैं: यह बदले की राजनीति है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर आज भी संसद में विपक्ष का प्रदर्शन, जया बच्चन–डिंपल यादव ने किया दान

नई दिल्ली, एजेंसी। राम मंदिर में दान चोरी मामले में आज भी संसद परिसर में विपक्षी पार्टियों की तरफ से विरोध प्रदर्शन किया गया। सपा सांसद जया बच्च ने सांकेतिक दान पेटी में रुपे डाले और दान किया। उस पर दान चोरी का पोस्टर लगा हुआ था। इस मामले में सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा, "ये मुद्दे को भटकाने के लिए है। सरकार से लोग दुखी हैं। जिस प्रकार से चंदा चोरी की गई, जमीनों में घोटाले किए गए इसके लिए सरकार जिम्मेदार है। आज तक एक पर भी FIR क्यों दर्ज नहीं हुई?" उन्होंने कहा कि ये सिर्फ मुद्दे को भटकाने के लिए है। ये जो सरकार है, सरकार में पूरी तरह से निराशा की भावना है और लोग सरकार से निराश हैं। डिंपल ने कहा कि बड़े-बड़े लोग आखिरकार जो चंदा और जो दान-पेटी का जो पैसा था, लोगों ने धातुएं जो दी थीं प्रभु श्री राम के चरणों में जो अर्पित की थीं। ये निश्चिततौर पर श्रद्धा के भाव से, निष्ठा के भाव से... वह आखिरकार गई कहां? सपा सांसद डिंपल यादव ने सरकार पर मुद्दे से भटकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी, पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव और सपा सांसद अवधेश प्रसाद पर 'सनातन धर्म के अपमान' के मामले में दर्ज हुई FIR सिर्फ विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों से ध्यान भटकाने की एक कोशिश है। पत्रकारों से बातचीत में डिंपल यादव ने दावा किया कि सरकार जनता के बढ़ते असंतोष का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि इस FIR का मकसद 'राम जन्मभूमि भूमि घोटाले' और 'राम मंदिर दान चोरी विवाद' से ध्यान हटाना है। उन्होंने कहा, "ये सिर्फ मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए है। जनता के बीच (सरकार को लेकर) पूरी तरह से निराशा और मोहभंग का माहौल है।"

'आयोजकों की जवाबदेही तय हो'

छात्रों के विरोध प्रदर्शन मामले में शीर्ष कोर्ट में याचिका दाखिल

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 20 जुलाई के 'संसद चलो' छात्र प्रदर्शन के आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई। याचिका में आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शन के आयोजकों ने हिंसा के लिए उकसाया। याचिका में यह भी मांग की गई है कि सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री के खिलाफ अभद्र सामग्री पोस्ट करने वाले नाबालिगों को आपराधिक कार्रवाई का सामना कराने के बजाय सामुदायिक सेवा कराई जाए। वकील ने कोर्ट में कहा कि 20 जुलाई के प्रदर्शन के आयोजक सरकार की प्रतिक्रिया के बाद भी भड़काऊ बयान देना जारी रख रहे हैं। वकील ने कोर्ट से कहा, सरकार ने काफी उदार रुख अपनाया है, फिर भी आयोजक आग को भड़का रहे हैं। आयोजक गैर-जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं और समाज में कटुता पैदा कर रहे हैं। आयोजकों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। याचिका में 20 जुलाई के प्रदर्शन के बाद दर्ज प्राथमिकियों और गिरफ्तारियों को लेकर एक समान राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग भी की गई है। याचिकाकर्ता के अनुसार, अलग-अलग राज्यों ने प्राथमिकी वापस लेने को लेकर अलग-अलग तरीके अपनाए हैं, जिससे भ्रम और लोगों में असंतोष पैदा हो रहा है। वकील ने कहा, अलग-अलग राज्य गिरफ्तारी और प्राथमिकी को लेकर अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी कर रहे हैं। यह एक राष्ट्रीय मुद्दा है। यहां एक समान नीति बनाई जानी चाहिए। इन अधिसूचनाओं से देश के शांतिप्रिय नागरिकों के मन में असंतोष पैदा हो रहा है।

नाबालिगों पर कार्रवाई को लेकर क्या कहा गया?

याचिका में सोशल मीडिया पर अभद्र वीडियो पोस्ट करने वाले नाबालिगों और युवाओं के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों का मुद्दा भी उठाया गया है। वकील ने कहा कि ऐसा व्यवहार सुधार की जरूरत वाला है, लेकिन आपराधिक कार्रवाई इसका सही समाधान नहीं है। वकील ने कहा, दुर्भाग्य से कुछ युवा लड़के और लड़कियां बेहद अपमानजनक और अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

अमेरिका में पढ़ाई का पैसा कहां से आया? : आरटीआई एक्टिविस्ट के सवाल का दीपके ने दिया जवाब, सरकार को भी दी चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने अपने ऊपर लगे वित्तीय आरोपों को खारिज कर दिया है। आरटीआई कार्यकर्ता अमित तिवारी ने उनके पिता की आय और पढ़ाई के खर्च को लेकर महाराष्ट्र सरकार से शिकायत की थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए दीपके ने अपने दाखिले और छात्रवृत्ति के आधिकारिक दस्तावेज सार्वजनिक किए। उन्होंने बताया कि अमेरिका के बोस्टन विश्वविद्यालय में उनकी पढ़ाई स्कॉलरशिप और एजुकेशन लोन के जरिए हुई है। दीपके ने कहा कि उनके फंड के स्रोतों की जांच के लिए हर कोई पूरी तरह स्वतंत्र है। कॉकरोच जनता पार्टी ने केंद्र सरकार के खिलाफ अपना रुख सख्त कर लिया है। दीपके ने कहा कि उनकी पहली मांग तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की थी, जिसे सरकार ने स्वीकार कर लिया। लेकिन उनकी जगह प्रह्लाद जोशी को नया शिक्षा मंत्री बनाए जाने का CJP समर्थन नहीं करती। दीपके ने आरोप लगाया कि प्रह्लाद जोशी बिलकिस बानो मामले के दोषियों का सम्मान करते हुए दिखाई दिए थे। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसे व्यक्ति को शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी देना उचित नहीं है। स्कूल जाने वाली लड़कियां इस तरह के घटनाक्रम से क्या संदेश लेंगी।छत्रपति संभाजीनगर में पार्टी के भविष्य पर बोलते हुए दीपके ने साफ किया कि उनका चुनाव लड़ने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि देश में ईडी और सीबीआई के जरिए राजनीतिक दलों को तोड़ा जा रहा है। चुनावों में वोट डिलीट किए जा रहे हैं। जनता का न्यायपालिका, चुनाव प्रणाली और मीडिया से भरोसा उठ रहा है।

नीट पीड़ितों के मुआवजे पर उठाए सवाल

दीपके ने नीट अभ्यर्थियों की मौतों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। सीजेपी की दूसरी मांग आत्महत्या करने वाले अभ्यर्थियों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने की थी। उन्होंने कहा कि अब तक किसी भी पीड़ित परिवार को सरकार की ओर से सहायता नहीं मिली है। दीपके ने आरोप लगाया कि सरकार सिर्फ नियमों और प्रक्रियाओं का बहाना बना रही है। जब विधायकों और सांसदों को खरीदने की बात आती है तो करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। लेकिन पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने के समय नियमों का हवाला दिया जाता है।

दिल्ली के प्रदूषण से दम तोड़ रहा हूमायूं का मकबरा लगातार कैसे हो रहा कमजोर?

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में UNESCO की वर्ल्ड हेरिटेज साइट हुमायूं के मकबरे में इस्तेमाल किए गए बलुआ पत्थर खराब होने लगा है। ऐसा दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदुषण के कारण हुआ है। ये बात इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी रुड़की और आईआईटी कानपुर की एक जॉइंट स्टडी चली है। स्टडी रिपोर्ट 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आर्किटेक्चरल हेरिटेज' में प्रकाशित की गई है।

इस स्टडी रिपोर्ट के अनुसार, मकबरे के अलग-अलग भागों से जो काली परतों के सैंपल एकत्र किए गए, उनका विश्लेषण लैब तकनीक के माध्यम से किया गया। इस दौरान रिसर्च करने वाली टीम को पता चला कि काली परत मुख्य रूप से जिप्सम से बनी है। ये तब बनती है जब प्रदूषित हवा में मौजूद सल्फर डाइऑक्साइड कैल्शियम-युक्त धूल और नमी के साथ प्रतिक्रिया करती है।

स्टडी से पता चला है कि जिप्सम की परत में कालिख, धूल और धातु के बारीक कण (जो गाड़ियों से निकलने वाले धुएं, निर्माण कार्यों, सड़क की धूल, खेती के कचरे को जलाने और औद्योगिक प्रदूषण से आते हैं) फंस जाते हैं, जिससे धीरे-धीरे बलुआ पत्थर पर काली परत बन जाती है। ये भी पाया गया है कि स्मारक के उन हिस्सों में सबसे मोटी काली परत बनी, जो बारिश से बचे रहे और जहां लंबे समय तक प्रदूषक जमा होते रहे।

स्टडी में हैं स्मारक के संरक्षण के उपाय

वहीं स्मारक के ज्यादा खुले हिस्सों पर परतें पतली थीं क्योंकि बारिश प्राकृतिक रूप से कुछ प्रदूषकों को धो दिया। रिसर्चर्स के अनुसार, काली परत केवल सतह पर लगा दाग नहीं है। जिन केमिकल प्रतिक्रियाओं से ये परत बन रही है, वो धीरे-धीरे बलुआ पत्थर को कमजोर कर देती हैं। स्टडी के नतीजे वैज्ञानिक रूप वैज्ञानिक रुप ये बता रहे हैं कि वायु प्रदुषण से धीरे-धारे हुमायूं खराब हो रहा है। स्टडी में स्मारक के संरक्षण के उपाय भी बताए गए हैं।

पीएम मोदी पर ट्रंप का दबाव! ई20 पर केजरीवाल का मार्च का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की कि वे मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास तक एक मार्च का नेतृत्व करेंगे। इस मार्च का मकसद ई20 पेट्रोल के रोलआउट का विरोध करने वाली एक ऑनलाइन याचिका सौंपना है, जिस पर 2,00,000 से ज़्यादा लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में केजरीवाल ने कहा कि E20 पेट्रोल से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा के लिए अपॉइंटमेंट मांगने के लिए पिछले महीने प्रधानमंत्री को भेजे गए पत्र का कोई जवाब न मिलने पर वे खुद ये याचिकाएं सौंपेंगे। उन्होंने कहा कि इन याचिकाओं में इस ईंधन से जुड़ी गाड़ियों की समस्याओं के बारे में लोगों की शिकायतें शामिल हैं।

केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भारत ने अमेरिका से इथेनॉल खरीदने के लिए ट्रंप के सामने घुटने टेक दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल को लगातार बढ़ावा देना किसी छिपे हुए एजेंडे की ओर इशारा करता है। उन्होंने कहा कि मैं कल 100 लोगों के साथ प्रधानमंत्री आवास जाऊंगा ताकि जनता के हस्ताक्षर वाली अर्जियां उन्हें व्यक्तिगत रूप से सौंप सकूं और इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कर सकूं। लोगों को अपनी गाड़ियों को लेकर कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, फिर भी सरकार इसे जारी रखे हुए है; इसका मतलब है कि इसके पीछे कोई छिपा हुआ एजेंडा है।

बदायूं में कासगंज-बरेली पैसेंजर ट्रेन के इंजन में लगी आग, चालक ने कूदकर बचाई जान, यात्रियों में हड़कंप

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। बदायूं के बिनावर क्षेत्र में सोमवार सुबह कासगंज-बरेली पैसेंजर ट्रेन के इंजन में अचानक आग लग गई। मालगांव हाल्ट स्टेशन के पास हुई इस घटना से ट्रेन में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी और दहशत फैल गई। हालांकि, लोको पायलट की सूझबूझ और त्वरित कार्रवाई से बड़ा रेल हादसा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इंजन से धुआं निकलता देख लोको पायलट ने तुरंत स्थिति को भांप लिया। उसने बिना देर किए ट्रेन को रोक दिया और अपनी जान बचाने के लिए इंजन से नीचे कूद गया। देखते ही देखते इंजन से आग की लपटें उठने लगीं, जिससे यात्रियों में दहशत फैल गई। समय रहते ट्रेन रुक जाने से एक बड़ा

हादसा टल गया। बोगियों से यात्री नीचे उतर आए।

लोको पायलट ने तत्काल रेलवे अधिकारियों को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही रेलवे का तकनीकी टीम और संबंधित अधिकारी मौके के लिए रवाना हो गए। प्रारंभिक स्तर पर आग पर काबू पाने के प्रयास किए गए। इस दौरान ट्रेन में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। यात्रियों को किसी प्रकार की चोट नहीं आई है।

आग के कारणों की जांच

रेलवे अधिकारियों ने इंजन में आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि आग तकनीकी खराबी से लगी। या फिर किसी अन्य कारण से यह हादसा हुआ है। जांच दल सभी पहलुओं पर गौर कर रहा है। विस्तृत रिपोर्ट आने के बाद ही आग लगने की सही वजह सामने आएगी।

रेल संचालन पर असर

इस घटना के चलते कुछ समय तक रेल संचालन भी प्रभावित हो रहा है। आसपास के स्टेशनों पर कई पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनों को रोका गया है। इससे यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में देरी का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे अधिकारी जल्द से जल्द ट्रैक को साफ कर यातायात बहाल करने का प्रयास कर रहे हैं। स्थिति को सामान्य करने के लिए काम जारी है।

मंदिर दर्शन कर लौट रही युवतियों को अनियंत्रित कार ने मारी टक्कर, मौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। सावन के प्रथम सोमवार को शिव मंदिर पर जल चढ़ाकर लौट रही दो युवतियों को अनियंत्रित कार ने टक्कर मार दी। गम्भीर हालत में इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

सोमवार को सुबह गोसाईगंज थाना क्षेत्र के टाटिया नगर गांव निवासी पार्वती(22) पुत्री लाल बहादुर निषाद व मनकी(19) पुत्री ओम प्रकाश निषाद घर से सैफुल्लागंज बाजार स्थित शिव मंदिर जल चढ़ाने गई थी। जल चढ़ाकर लौटते समय रास्ते बांदा बलिया मार्ग पर सैफुल्लागंज बाजार से कुछ दूरी पर अनियंत्रित कार ने दोनों युवतियों को टक्कर मार दी। गंभीर हालत में दोनों युवतियों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर शव मर्चरी में रखवा दिया। चिकित्सक की सूचना पर पहुंची नगर कोतवाली पुलिस ने शवों के पंचनामा की कार्यवाही की। वही दुर्घटना करने वाली कार को गोसाईगंज पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

मृतक पार्वती अपने भाइयों बहनों में सबसे बड़ी थी। घटना के बाद बहने जलपरी, राम रती, भाई अरविंद, सुरेंद्र व मां रंजना देवी का रो रो कर बुरा हाल है। तथा मनकी के भाई लालजी, बहन कंचन व मां तीरथ देवी का रो रो कर बुरा हाल है। एक ही गांव में दो मौतों से कोहराम मचा हुआ है। नगर कोतवाल सुरेश नारायण मिश्रा ने बताया कि शवों का पंचनामा करके पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया।

स्टेडियम के निर्माण पर उठे सवाल, ग्रामीणों ने डीएम से जांच की मांग

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। लंभुआ विधानसभा क्षेत्र के जमखुरी गांव में लगभग 8 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन स्टेडियम को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और स्थल चयन पर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि स्टेडियम का निर्माण अपेक्षाकृत नीची एवं गड्ढेनुमा भूमि पर किया जा रहा है, जिससे भविष्य में बरसात के दौरान जलभराव की समस्या उत्पन्न होने की आशंका बनी रहेगी।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि निर्माण स्थल को तकनीकी मानकों के अनुरूप समतल नहीं किया गया तो स्टेडियम का अपेक्षित उपयोग प्रभावित हो सकता है। उनका दावा है कि निर्माण स्थल को समतल करने के लिए बड़ी मात्रा में मिट्टी भराई की आवश्यकता होगी, जिस पर अनुमानित डेढ़ से दो करोड़ रुपये तक का अतिरिक्त व्यय आ सकता है। हालांकि इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये की लागत से बनने वाला यह स्टेडियम क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण खेल परिसर है। ऐसे में निर्माण कार्य की गुणवत्ता, जल निकासी व्यवस्था और स्थल की उपयुक्तता पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की तकनीकी समस्या उत्पन्न न हो।

ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक से भी निर्माण कार्य का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश देने का अनुरोध किया है। उनका मानना है कि जनप्रतिनिधियों की सक्रिय निगरानी से परियोजना की गुणवत्ता और उपयोगिता सुनिश्चित की जा सकती है। फिलहाल इस संबंध में कार्यदायी संस्था, निर्माण एजेंसी अथवा संबंधित विभाग का आधिकारिक पक्ष प्राप्त नहीं हो सका है।

तीसरे दिन नदी में उतराता मिला शव

कुड़वार/सुल्तानपुर। शनिवार को स्थानीय थाना क्षेत्र में गोमती पुल से नदी में कूदे युवक का शव सोमवार को नगर कोतवाली क्षेत्र में उतराता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया।

शनिवार को बल्दीराय थाना क्षेत्र के वलीपुर बाजार मोमिनपुर निवासी मो साहिल(19) पुत्र मो सफी ने हलियापुर सुल्तानपुर मार्ग पर गोमती नदी के पुल से छलांग लगा दी थी। जिसे परिजनो व स्थानीय पुलिस द्वारा गोताखोरों की मदद से खोजबीन की जा रही थी। लेकिन नदी में पानी ज्यादा होने के कारण पता नहीं चल सका। सोमवार को नगर कोतवाली क्षेत्र बसौडी गांव में शव उतारता मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। तो उसकी पहचान में मो साहिल के रूप में हुई। नगर कोतवाली पुलिस ने शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

' 4000 रुपये में काशी विश्वनाथ के होंगे सुगम दर्शन ', काशी में श्रद्धालु से दलाल ने लिए पैसे, तभी पहुंच गई पुलिस, फिर...

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। सावन के पहले सोमवार पर वाराणसी में बाबा काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालु और कांवड़िये पहुंचे। सुबह से ही मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। इसी भारी भीड़ का फायदा उठाकर कुछ दलाल सुगम दर्शन कराने के नाम पर श्रद्धालुओं से अवैध वसूली करते नजर आए। ऐसे ही एक मामले में वाराणसी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक दलाल को पकड़ लिया और परिवार के पैसे वापस कराए।

पुलिस के अनुसार, कर्नाटक से वाराणसी पहुंचे एक परिवार को जल्दी दर्शन कराने का झांसा देकर एक व्यक्ति ने उनसे 4,000 रुपये ले लिए। परिवार को भरोसा दिलाया गया था कि उन्हें बिना लंबी कतार में लगे बाबा विश्वनाथ के दर्शन करा दिए जाएंगे। कुछ देर बाद जब परिवार को एहसास हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है, तो महिला श्रद्धालु ने मौके पर ही विरोध शुरू कर दिया और शोर मचाया। इससे आसपास मौजूद पुलिसकर्मियों का ध्यान इस ओर गया।

इंस्पेक्टर ने मौके पर पहुंचकर लौटवाए रुपये

गश्त पर मौजूद सिगरा थाना प्रभारी शिवाकांत मिश्रा ने मामले का तत्काल संज्ञान लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना नाम बसंत पांडेय बताया। पुलिस ने उससे पूछताछ की और श्रद्धालु परिवार से लिए गए पूरे 4,000 रुपये वापस कराए। इसके बाद पुलिस ने कर्नाटक से आए परिवार के लिए विधिवत दर्शन की व्यवस्था भी कराई, ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है और उसके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सावन शुरू होते ही दलालों पर पुलिस की नजर

वाराणसी पुलिस का कहना है कि सावन के महीने में लाखों श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए आते हैं। ऐसे में कुछ असामाजिक तत्व श्रद्धालुओं की आस्था का फायदा उठाकर सुगम दर्शन के नाम पर पैसे वसूलने की कोशिश करते हैं। पुलिस ऐसे लोगों पर लगातार नजर बनाए हुए है। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं से भी अपील की है कि वे किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को पैसे देकर दर्शन कराने के झांसे में न आएं। यदि कोई व्यक्ति इस तरह की मांग करता है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें।

पहले भी हुई थी कार्रवाई,

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

वाराणसी पुलिस ने बताया कि सावन शुरू होने के बाद से ऐसे मामलों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। बीते रविवार को भी सुगम दर्शन कराने के नाम पर अवैध वसूली करने के आरोप में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया था। सावन के पहले सोमवार को उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी और प्रशासनिक अधिकारी तैनात हैं, जबकि सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के माध्यम से भी निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन का कहना है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम दर्शन उनकी प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार की ठगी या अव्यवस्था फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

गोली लगने से युवक घायल, ट्रामा सेंटर में चल रहा है इलाज

कुड़वार/सुल्तानपुर। महराजगंज से घर जा रहे चार पहिया वाहन सवार युवक को अज्ञात हमलावरों द्वारा गोली मारकर लहू लुहान कर दिया गया। गम्भीर हालत में इलाज के लिए सीएचसी से जिला मेडिकल कॉलेज भेजा गया। जहां से चिकित्सक ने ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया।

रविवार को देर रात महराजगंज से अतागंज हसनपुर जा घर जा रहे सफीर बेग पुत्र कयूम बेग को महराज गंज अझुई मार्ग पर रैपुरवा गांव के पास अज्ञात बाइक सवारों ने गोली मारकर घायल कर दिया।घटना की सूचना घायल ने डायल 112 को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस घायल को लेकर स्थानीय सीएचसी पहुंची। जहां से चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज से चिकित्सक ने ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया। जहां उनका इलाज चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार घायल सफीर व्यापारी है।

'संस्कार विहीन शिक्षा जंतर-मंतर देती है', बातों-बातों में Gen Z आंदोलन पर ये क्या कह गए उच्च शिक्षा मंत्री

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा विश्वविद्यालय के 92वें दीक्षांत समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने जेन जी के जंतर मंतर पर हुए आंदोलन और तंज कसते हुए कहा कि उच्च शिक्षा प्राप्त करना ही एकमात्र लक्ष्य नहीं होना चाहिए। संस्कार सहित शिक्षा हो जरूरी है। इसका दायित्व शिक्षक और विद्यार्थियों पर समान रूप से है। उन्होंने कहा कि संस्कार विहीन शिक्षा जंतर मंतर देती है।

उन्होंने जंतर मंतर पर आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि यह कैसी शिक्षा थी, जिसमें विद्यार्थी देश के महान सपूतों और शीर्ष स्थान ओर बैठे राजनेताओं को गाली दे रहे थे। यहां तक के इसमें बेटियां भी इसमें शामिल थी। ऐसी घटनाओं से सभी शर्मसार हो रहे थे। इसके लिए आने वाले समय में संस्कार रहित उच्च शिक्षा जरूरी है।

उन्होंने कहा कि संस्कार बिना शिक्षा से किसी का भला नहीं हो सकता है। शिक्षा वही है जो रोजगार दे और संस्कारवान बनाए। उन्होंने मेधावियों से कहा कि यहां जो विद्यार्थी मेडल पाकर जा रहे हैं , वह समाज के लिए मॉडल बन करके दिखाएं।

तालाबों का कायाकल्प, गोमती तट पर चमकेगा हनुमान घाट

सुल्तानपुर। नगर पालिका परिषद सुलतानपुर के अंतर्गत शहरी क्षेत्र में विकास कार्यों को तेजी से रफ्तार दी जा रही है। नगर विकास विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत शहर के ऐतिहासिक स्थलों और जलाशयों को संवारने का काम युद्धस्तर पर जारी है। नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल और अधिशासी अधिकारी लाल चन्द्र सरोज के संयुक्त प्रयासों से शहर की सूरत बदलने की कवायद शुरू हो गई है।

प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से मिली जानकारी के अनुसार, नगर पालिका प्रशासन ने शहर के सौंदर्यीकरण और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम शुरू किया है।

नारायणपुर तालाब बना नमोवन सरोवर नगरीय झील/तालाब/पोखर संरक्षण योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में वार्ड नारायणपुर स्थित तालाब का सौंदर्यीकरण कार्य पूरा कर लिया गया है।

राजस्व विभाग की लापरवाही से सुलगते जमीनी विवाद

क्या फाइलों की ढिलाई बन रही अपराधों की जड़?

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुलतानपुर। जमीन का विवाद केवल सीमांकन या कब्जे का मामला नहीं, बल्कि यह कानून-व्यवस्था, सामाजिक सौहार्द और आम नागरिक के न्याय से जुड़ा गंभीर विषय बन चुका है। यदि राजस्व विभाग प्रत्येक शिकायत का ईमानदारी, पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से निस्तारण करे तो अनेक बड़े विवाद, हिंसक घटनाएं और वर्षों तक चलने वाले मुकदमे टाले जा सकते हैं।

ग्रामीण हो या शहरी क्षेत्र, बड़ी संख्या में पीड़ति आरोप लगाते हैं कि उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जाता। कई मामलों में प्रभावशाली लोगों के दबाव, राजनीतिक हस्तक्षेप अथवा भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण कार्रवाई लंबित रहती है। शिकायतकर्ता न्याय की उम्मीद लेकर राजस्व कार्यालयों के चक्कर लगाता रहता है, जबकि फाइलें आगे बढ़ने के बजाय धूल

फांकती रहती हैं। क्षेत्रीय लोगों का सबसे गंभीर आरोप यह है कि कई मामलों में वास्तविक स्थिति के विपरीत रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेज दी जाती है। यदि ऐसा होता है तो न केवल शिकायतकर्ता का भरोसा टूटता है, बल्कि निष्पक्ष प्रशासन की छवि भी धूमिल होती है। सरकारी भूमि की सुरक्षा और अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी भी कई स्थानों पर प्रभावी ढंग से निभाए जाने पर सवाल उठते रहे हैं, जिससे सार्वजनिक संपत्तियां धीरे-धीरे अवैध कब्जों की भेंट चढ़ती हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि जब पीड़ति को समय पर न्याय नहीं मिलता, तब उसके भीतर निराशा, आक्रोश और कुंठा बढ़ती है। यही स्थिति कई बार आपराधिक घटनाओं, मारपीट, खूनी संघर्ष और कानून-व्यवस्था की चुनौती का कारण बन जाती है। आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक जमीनी विवाद का निष्पक्ष सीमांकन, डिजिटल अभिलेखों का सत्यापन, जवाबदेही तय करने की व्यवस्था तथा दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जब तक राजस्व व्यवस्था पूरी पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता के साथ कार्य नहीं करेगी, तब तक जमीनी विवाद समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बने रहेंगे। अन्यथा की स्थिति में शासन की मंशा उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय के आदेशों की खिल्लिया उड़ाई जाती रहेंगी।

सहारनपुर के शहजाद बने शंकर, कंधे पर लेकर निकले कांवड़, मुस्लिम परिवार ने सनातन धर्म अपनाकर किया ये काम

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। सहारनपुर के एक मुस्लिम परिवार ने सनातन धर्म अपनाने के बाद पहली बार कांवड़ यात्रा शुरू की है। कभी शहजाद के नाम से जाने जाते रहे सहारनपुर के बेहड़ी गुर्जर निवासी शंकर शिव के रंग में रंगे हैं। वह हरिद्वार से गंगा जल लेकर गाजियाबाद स्थित दूधेश्वर महादेव का जलाभिषेक करने जाएंगे।

जून 2026 में परिवार सहित हरिद्वार में सनातन धर्म अपनाने के बाद शहजाद ने अपना नाम शंकर और पत्नी सना का नाम सावित्री रखा। धर्म परिवर्तन के बाद वह पहली बार वह कांवड़ यात्रा पर निकले हैं।

शंकर ने बताया कि वह पत्नी सावित्री तथा अन्य साथियों के साथ हरिद्वार से गंगाजल लेकर गाजियाबाद स्थित दूधेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक करने जा रहे हैं। उनके साथ बिजनौर निवासी राजन समेत अन्य श्रद्धालु भी यात्रा में शामिल हैं। सभी ने स्वयं को धर्म परिवर्तन के बाद वह पहली बार कांवड़ लेकर निकले हैं। उन्होंने बताया कि यह यात्रा उनके लिए आध्यात्मिक श्रद्धा और शिव भक्ति का प्रतीक है।

उनका दावा है कि धर्म परिवर्तन के बाद उन्हें समाज का सहयोग और अपनापन मिला, जिससे उनकी धार्मिक आस्था और मजबूत हुई। यात्रा के दौरान गंग नहर पटरी मार्ग पर कई स्थानों पर श्रद्धालुओं और कांवड़ सेवा शिविरों की ओर से जत्थे का स्वागत किया गया। पुष्पवर्षा कर फूल-मालाएं पहनाई गईं और जलपान की व्यवस्था भी कराई गई।

पूरे मार्ग पर हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष गूंजते रहे। शंकर ने बताया कि यह उनके जीवन की पहली कांवड़ यात्रा है। उनका जत्था गाजियाबाद के दूधेश्वर महादेव मंदिर में गंगाजल अर्पित कर यात्रा का समापन करेगा।

पहले भी चर्चा में रहा था मामला

शंकर के अनुसार, जून 2026 में उन्होंने परिवार सहित हरिद्वार में सनातन धर्म अपनाने का दावा किया था। इसके बाद उन्होंने अपना नाम शहजाद से बदलकर शंकर तथा पत्नी का नाम सावित्री रखा। उस समय यह मामला भी क्षेत्र में चर्चा का विषय बना था। अब पहली बार कांवड़ यात्रा में शामिल होने के कारण उनका जत्था एक बार फिर लोगों के बीच चर्चा में रहा।

पहली बार कांवड़ यात्रा पर निकले धर्म परिवर्तन का दावा करने वाले श्रद्धालु

सावन माह की कांवड़ यात्रा के दौरान रविवार को मेरठ में गंगनहर पटरी मार्ग पर एक ऐसा जत्था लोगों के बीच चर्चा का विषय बना, जिसमें शामिल श्रद्धालुओं ने स्वयं को पूर्व में मुस्लिम और अब सनातन धर्म का अनुयायी बताया। श्रद्धालुओं का कहना था कि धर्म परिवर्तन के बाद वह पहली बार कांवड़ यात्रा में शामिल हुए हैं। मार्ग में कई स्थानों पर उनका स्वागत किया गया और श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर उनका उत्साहवर्धन किया। जत्थे में शामिल सहारनपुर निवासी शंकर ने बताया कि वह पहले शहजाद नाम से जाने जाते थे। उनके साथ उनकी पत्नी सावित्री भी यात्रा में शामिल हैं, जिनका दावा है कि उन्होंने भी सनातन धर्म अपनाया है। दोनों गंगाजल लेकर गाजियाबाद के दूधेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक करने जा रहे हैं। उनके साथ बिजनौर निवासी राजन समेत अन्य श्रद्धालु भी यात्रा में शामिल हैं। सभी ने स्वयं को धर्म परिवर्तन के बाद पहली बार कांवड़ यात्रा करने वाला बताया। श्रद्धालुओं का कहना है कि उन्होंने स्वेच्छा से सनातन धर्म अपनाया और अब भगवान शिव की आराधना के उद्देश्य से कांवड़ यात्रा कर रहे हैं। उनका दावा है कि धर्म परिवर्तन के बाद उन्हें समाज का सहयोग और अपनापन मिला, जिससे उनकी धार्मिक आस्था और मजबूत हुई। यात्रा के दौरान कई कांवड़ सेवा शिविरों और सामाजिक संगठनों की ओर से जत्थे का स्वागत किया गया।

श्रद्धालुओं को फूलमालाएं पहनाई गईं और जलपान भी कराया गया। पूरे मार्ग पर हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष गूंजते रहे। शंकर ने बताया कि यह उनकी पहली कांवड़ यात्रा है और उनका जत्था गाजियाबाद स्थित दूधेश्वर महादेव मंदिर में गंगाजल अर्पित कर यात्रा का समापन करेगा।

तालाब में मिला युवक का शव, गले पर चोट के निशान

सुल्तानपुर। शहर के जल निगम परिसर स्थित तालाब में सोमवार सुबह 25 वर्षीय युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक के गले पर चोट के निशान मिलने के बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक की टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक की पहचान गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के फरीदपुर गांव निवासी 25 वर्षीय मोहम्मद साकिब उर्फ भंडारी, पुत्र सहबान, के रूप में हुई है। बताया गया कि साकिब बचपन से अपने मामा इलियास के यहां लोलेपुर चौहानी में रह रहा था। जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह स्थानीय लोगों ने जल निगम परिसर के पास स्थित तालाब में एक शव उतराता देखा। इसके बाद डायल-112 पर सूचना दी गई। सूचना मिलते ही कोतवाली नगर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को तालाब से बाहर निकलवाकर कब्जे में ले लिया।

मानसून सत्र से पहले मुख्यमंत्री योगी का विपक्ष पर तीखा हमला

आउटसोर्स कर्मियों के लिए बड़ा ऐलान; किसानों, युवाओं, महिलाओं और विकास के एजेंडे पर सरकार का फोकस

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए सरकार की उपलब्धियों, आगामी प्राथमिकताओं और विपक्ष के रवैये पर विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, युवा और महिलाएं डबल इंजन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। मुख्यमंत्री ने विपक्ष से नकारात्मक राजनीति छोड़कर सदन में प्रदेश के विकास और जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा करने की अपील की।मुख्यमंत्री ने आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि सरकार अगले एक से डेढ़ सप्ताह के भीतर आउटसोर्स सेवा आयोग लागू करने के साथ ही न्यूनतम मानदेय सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा बहुओं, रसोइयों, ग्राम चौकीदारों सहित विभिन्न वर्गों के कर्मचारियों के मानदेय में सुधार और उनके हितों की रक्षा के लिए अनुपूरक बजट में भी प्रावधान किया गया है।राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मुद्दे पर विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग आज राम मंदिर की चिंता जता रहे हैं, वही पहले मंदिर निर्माण का विरोध करते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि इन लोगों ने न्यायालय में राम मंदिर निर्माण को रोकने का प्रयास किया और जय श्रीराम बोलने वालों पर लाठी-गोली चलवाई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने मंदिर निर्माण के लिए एक रुपया तक सहयोग नहीं किया, वे आज इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं और देश उनके दोहरे चरित्र को देख रहा है।किसानों के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय किसानों को सिंचाई, भुगतान और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना सहित अनेक योजनाओं से किसानों की स्थिति में व्यापक सुधार हुआ है। प्रदेश में 24 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि को सिंचाई सुविधा से जोड़ा गया है और किसान अब एक वर्ष में तीन से चार फसलें ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि उद्यानिकी उत्पादों का निर्यात भी लगातार बढ़ रहा है।गन्ना किसानों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2007 से 2017 के बीच 29 चीनी मिलें बंद हुईं और 21 मिलें बेच दी गईं, जबकि वर्तमान सरकार ने गन्ना किसानों को 3.23 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की अधिकांश चीनी मिलें चार से पांच दिन के भीतर किसानों के खाते में गन्ना मूल्य का भुगतान कर रही हैं। साथ ही 16 लाख किसानों को निजी नलकूपों के लिए निःशुल्क बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। खाद की उपलब्धता में कहीं भी कमी न हो, इसके लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विधानमंडल जनता की समस्याओं के समाधान का सबसे प्रभावी मंच है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से अपील की कि सदन में स्वस्थ और सकारात्मक चर्चा करें, ताकि प्रदेश के 25 करोड़ लोगों के हित में बेहतर निर्णय लिए जा सकें। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में जनप्रतिनिधियों के सुझावों और संवाद के आधार पर बनाई गई योजनाओं के कारण उत्तर प्रदेश की छवि बदली है और प्रदेश आज राजस्व अधिशेष तथा तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला राज्य बन रहा है।उन्होंने दावा किया कि सरकार ने पिछले नौ वर्षों में छह करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का कार्य किया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, निवेश, रोजगार, आधारभूत ढांचे और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की नीतियों के केंद्र में गरीबों के जीवन स्तर में सुधार और प्रदेश के समग्र विकास का लक्ष्य रहा है।महिलाओं के सशक्तीकरण का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 में प्रदेश में महिला श्रम भागीदारी लगभग 12 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर 37 से 38 प्रतिशत हो गई है। मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को नई मजबूती मिली है। प्रदेश के बड़े शहरों में कामकाजी महिलाओं के लिए श्रमजीवी छात्रावास बनाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई हैं, जिनमें 20 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं।युवाओं के रोजगार पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर कानून व्यवस्था, निवेश अनुकूल वातावरण, एक जनपद-एक उत्पाद और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा जैसी योजनाओं ने लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित किए हैं। उन्होंने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में युवाओं के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी।सावन माह का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह महीना किसानों, विद्यार्थियों और शिवभक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है। प्रदेश सरकार कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं के लिए व्यापक व्यवस्था कर रही है। उन्होंने बताया कि 7 अगस्त से विधानसभा और विधान परिषद के सदस्य भी विभिन्न धार्मिक आयोजनों में भाग लेंगे।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की कुल कृषि भूमि का लगभग 11 प्रतिशत हिस्सा रखता है, लेकिन देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में 21 से 22 प्रतिशत का योगदान देता है। यह प्रदेश के किसानों की मेहनत और सरकार की किसान हितैषी नीतियों का परिणाम है।उन्होंने सरकारी, संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि पिछले नौ वर्षों में इन कर्मचारियों ने प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरकार उनके कल्याण के लिए लगातार निर्णय ले रही है। शिक्षामित्रों, अनुदेशकों तथा शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है और विभिन्न श्रेणियों के मानदेय में भी वृद्धि की गई है।पत्रकार वार्ता के दौरान उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख सहित कई मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

एलएलएम छात्र ने डिग्री जारी न होने पर राज्यपाल से लगाई न्याय की गुहार, विश्वविद्यालय प्रशासन पर लगाए गंभीर आरोप

लखनऊ। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली के विधि विभाग के एलएलएम अंतिम वर्ष के छात्र पवन कुमार ने डिग्री जारी न किए जाने का आरोप लगाते हुए एक बार फिर न्याय की मांग की है। सोमवार को लखनऊ पहुंचे पवन कुमार ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल से मुलाकात का प्रयास किया। मुलाकात नहीं हो पाने के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत कर विश्वविद्यालय प्रशासन और विधि विभाग की एक प्रोफेसर पर गंभीर आरोप लगाए।पवन कुमार का कहना है कि कुछ दिन पहले भी उन्होंने लखनऊ आकर अपनी समस्या सार्वजनिक की थी, लेकिन समाचार प्रसारित होने के बावजूद अब तक उनकी डिग्री जारी नहीं की गई। उनका आरोप है कि विभाग की एक शिक्षिका ने उनके साथ जातिगत और मानसिक उत्पीड़न किया तथा अभद्र व्यवहार किया।

आजाद समाज पार्टी और भाजपा के सैकड़ों कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में सोमवार को आयोजित सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में आजाद समाज पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के सैकड़ों पदाधिकारियों, युवाओं और महिलाओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी एवं पूर्व मंत्री राजेन्द्र पाल गौतम की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस के ज्वाइनिंग प्रभारी नितिन शर्मा ने सभी नए सदस्यों को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलाई।आजाद समाज पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने वालों में कानपुर ग्रामीण के पूर्व जिलाध्यक्ष फौजी भारत भूषण संखवार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने पार्टी का दामन थामा। उनके साथ कानपुर देहात के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रदीप संखवार, पूर्व कानपुर महानगर अध्यक्ष सुनील कोरी, रमाशंकर अम्बेडकर, धीरेन्द्र अम्बेडकर, रामकृपाल संखवार, राजेश राघव निषाद, राजेन्द्र कुमार संखवार, अमित कुमार संखवार, रवीन्द्र नाथ, पंकज गौतम, नीरज गौतम, सुरेन्द्र कुमार संखवार, सीताराम संखवार, नौसाद आलम, अमन सैनी, विक्रम, अनमोल गौतम, शैलेन्द्र, नितीश कुमार, मोहम्मद अकरम, मोहम्मद बाबू, मोहम्मद मुजीब, अनुज प्रकाश, पंकज कुमार, मनोज कुमार कोरी, संजय कोरी सहित अनेक पदाधिकारियों और उनके समर्थकों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।इसी क्रम में कानपुर नगर से भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के कई कार्यकर्ताओं ने भी कांग्रेस का दामन थामा। निवर्तमान प्रदेश सचिव अर्चना राठौर के नेतृत्व में प्रांजुल पाण्डेय, आशीष यादव, आलोक तिवारी और विनय यादव सहित अन्य युवाओं ने कांग्रेस की सदस्यता ली। वहीं लखनऊ के युवा विशाल यादव भी कांग्रेस में शामिल हुए।इस अवसर पर राजेन्द्र पाल गौतम ने कांग्रेस में शामिल होने वाले सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि प्रदेश के विभिन्न जनपदों से लगातार युवा, महिलाएं और विभिन्न दलों के कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं, जिससे संगठन को मजबूती मिल रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में कांग्रेस प्रदेश में और अधिक सशक्त होकर उभरेगी।राजेन्द्र पाल गौतम ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि देश और प्रदेश की वर्तमान सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के साथ अन्याय हो रहा है, युवा बेरोजगारी से परेशान हैं और सरकार रोजगार उपलब्ध कराने में असफल रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आवाज उठाने वालों के खिलाफ दमनात्मक कार्रवाई की जा रही है।

ग्रामीण विकास से ही विकसित भारत का सपना होगा साकार: केशव प्रसाद मौर्य

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में ग्रामीण क्षेत्रों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और गांवों का सर्वांगीण विकास ही देश की समृद्धि, आत्मनिर्भरता तथा समावेशी प्रगति का मजबूत आधार है। प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास को नई गति देने के लिए योजनाबद्ध और व्यापक स्तर पर कार्य कर रही है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जल सुरक्षा, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन, आधारभूत अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण और आजीविका संवर्धन जैसे क्षेत्रों में व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। उपलब्ध संसाधनों के सतत और प्रभावी उपयोग के माध्यम से गांवों की आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।उन्होंने कहा कि जल संरक्षण और जल सुरक्षा के प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध जल संसाधनों का संरक्षण और संवर्धन किया जाएगा। प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर प्रबंधन से कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, साथ ही पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी सहायता मिलेगी। सरकार ग्रामीण आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाकर विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि इन पहलों से ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी, कृषि और अन्य आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण युवाओं, महिलाओं, किसानों और स्वयं सहायता समूहों को आजीविका से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए भी प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि बदलती जलवायु और अन्य चुनौतियों के अनुरूप ग्रामीण समुदायों की अनुकूलन क्षमता बढ़ाना भी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। जलवायु-अनुकूल और टिकाऊ विकास मॉडल अपनाकर गांवों को भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाया जा रहा है, जिससे ग्रामीण समाज की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन आएगा।

लखनऊ के पंचमुखी हनुमान मंदिर में चोरी, भगवान के आभूषण और सीसीटीवी डीवीआर लेकर फरार हुए चोर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के महानगर थाना क्षेत्र स्थित न्यू हैदराबाद के पंचमुखी हनुमान मंदिर में रविवार और सोमवार की मध्यरात्रि अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर मंदिर में रखे भगवान के आभूषण चोरी कर ले गए। इतना ही नहीं, पहचान छिपाने के उद्देश्य से मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर भी निकालकर अपने साथ ले गए।मंदिर की देखरेख करने वाले प्रदीप कुमार शर्मा ने घटना की लिखित शिकायत महानगर थाने में दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार अज्ञात व्यक्ति मंदिर में घुसे और भगवान के आभूषण चोरी करने के बाद सीसीटीवी डीवीआर भी साथ ले गए। चोरी गए सामान की विस्तृत सूची अलग से पुलिस को उपलब्ध कराई जाएगी।शिकायत के आधार पर महानगर थाने में मुकदमा संख्या 140/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(द) में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है।

विधान परिषद में ए.के. शर्मा का दावा : ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और बिजली व्यवस्था में उत्तर प्रदेश ने बनाई नई पहचान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने विधान परिषद के मानसून सत्र के प्रथम दिन विभिन्न विभागों से जुड़े प्रश्नों का उत्तर देते हुए सरकार की विकासोन्मुखी कार्यशैली, पारदर्शिता और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता का उल्लेख किया। उन्होंने नगर विकास, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, विद्युत व्यवस्था और भ्रष्टाचार के विरुद्ध सरकार की नीति पर विस्तार से सदन को जानकारी दी।विधान परिषद सदस्य मुकुल यादव द्वारा मैनपुरी नगर पालिका के कचरा निस्तारण संयंत्र से संबंधित प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने बताया कि नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र वर्ष 2012 से संचालित है। नगर में जमा लगभग 50 हजार मीट्रिक टन पुराने कचरे के निस्तारण के लिए 19 मार्च 2026 को कार्यादेश जारी किया जा चुका है। आवश्यक मशीनरी स्थापित कर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है और वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 20 टन ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार पूर्ववर्ती सरकारों के समय की समस्याओं और गंदगी को दूर करने का कार्य कर रही है।सिद्धार्थनगर में विद्युत परिवर्तकों पर हुए व्यय से संबंधित सदस्य ध्रुव कुमार त्रिपाठी के प्रश्न के उत्तर में ए.के. शर्मा ने कहा कि सभी कार्य स्वीकृत प्राक्कलन के अनुरूप कराए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है और किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।एक अन्य प्रश्न के उत्तर में ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रत्येक उपभोक्ता को गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसके लिए बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण प्रणाली को लगातार मजबूत किया जा रहा है तथा विद्युत अवसंरचना का विस्तार तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के समय प्रदेश की बिजली व्यवस्था अत्यंत जर्जर थी। पर्याप्त बिजली के खंभे, तार और विश्वसनीय आपूर्ति व्यवस्था का अभाव था, जबकि वर्तमान सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश आज बिजली उत्पादन, आपूर्ति और वितरण के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक उपभोक्ता को बेहतर गुणवत्ता वाली बिजली उपलब्ध कराना है।

लखनऊ में करंट उतरने से बिजली के खंभे के पास गाय की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के नरही क्षेत्र स्थित जवाहर भवन पावर हाउस से जुड़े मुरारी लाल चतुर्वेदी मार्ग पर बिजली के खंभे में करंट उतरने से एक गाय की दर्दनाक मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गाय जैसे ही खंभे के संपर्क में आई, वह करंट की चपेट में आ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में लोगों की भीड़ जुट गई और विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी देखने को मिली।स्थानीय लोगों का आरोप है कि शहर में पहले भी बिजली के खंभों और खुले विद्युत तारों में करंट आने की घटनाएं सामने आती रही हैं, जिनमें कई मूक पशुओं की जान जा चुकी है। इसके बावजूद विभाग द्वारा प्रभावी रोकथाम के लिए आवश्यक कदम नहीं उठाए गए। लोगों का कहना है कि यदि इस घटना में किसी राहगीर, बच्चे या अन्य व्यक्ति की जान चली जाती, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेता।क्षेत्रवासियों ने कहा कि राजधानी में इस प्रकार की घटनाएं लगातार सामने आना विद्युत व्यवस्था की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उनका आरोप है कि नियमित निरीक्षण और रखरखाव के अभाव में बिजली के खंभे और विद्युत लाइनें हादसों का कारण बन रही हैं। उन्होंने विद्युत विभाग से सभी खंभों और लाइनों की व्यापक जांच कराने तथा संभावित खतरे वाले स्थानों पर तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है।स्थानीय लोगों ने दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की भी मांग की। उनका कहना है कि समय-समय पर फील्ड निरीक्षण और रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

इंदिरा नगर में महापौर का औचक निरीक्षण, सीवर-पेयजल समस्याओं के दो दिन में समाधान के निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के इंदिरा नगर सेक्टर-सी में सीवर, पेयजल और सफाई व्यवस्था को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों के बीच सोमवार को महापौर सुषमा खर्कवाल ने जोन-7 क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को दो दिन के भीतर सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।निरीक्षण में अपर नगर आयुक्त अभिनव रंजन, जलकल विभाग के महाप्रबंधक कुलदीप सिंह, जोनल अधिकारी विकास सिंह, पार्षद प्रतिनिधि सूरज जसवानी सहित नगर निगम और जलकल विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।महापौर ने क्षेत्र में सीवर जाम, पेयजल आपूर्ति और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का मौके पर ही संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि चिन्हित सभी समस्याओं का निर्धारित समय सीमा के भीतर समाधान कर अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।निरीक्षण के दौरान सेक्टर-सी की सफाई व्यवस्था और पार्कों की बदहाल स्थिति पर महापौर ने नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाते हुए नियमित सफाई, समय पर कूड़ा उठान, हरित क्षेत्रों के रखरखाव और पार्कों को साफ-सुथरा एवं व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए।

लखनऊ के पंचमुखी हनुमान मंदिर में चोरी, भगवान के आभूषण और सीसीटीवी डीवीआर ले गए चोर

लखनऊ। राजधानी के महानगर थाना क्षेत्र स्थित न्यू हैदराबाद के पंचमुखी हनुमान मंदिर में रविवार और सोमवार की मध्यरात्रि अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर मंदिर से भगवान के आभूषण चोरी कर ले गए और पहचान छिपाने के उद्देश्य से मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर भी साथ ले गए।मंदिर की देखरेख करने वाले प्रदीप कुमार शर्मा ने महानगर थाने में घटना की लिखित तहरीर दी। तहरीर के अनुसार अज्ञात व्यक्ति मंदिर में घुसे और भगवान के आभूषण चोरी करने के बाद सीसीटीवी डीवीआर निकालकर फरार हो गए। चोरी हुए सामान की विस्तृत सूची अलग से पुलिस को उपलब्ध कराई जाएगी।तहरीर के आधार पर महानगर थाने में मुकदमा संख्या 140/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(द) में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

ओमेक्स सिटी चोरी कांड का खुलासा, फरार शातिर चोर गिरफ्तार ; जेवरात और नकदी बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के बिजनौर थाना क्षेत्र स्थित ओमेक्स सिटी में बंद मकान में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए फरार चल रहे एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए जेवरात और नकदी बरामद की गई है। मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका था।पुलिस आयुक्त तरुण गाबा और संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) अपर्णा कुमार के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त दक्षिणी मो. मुश्ताक के पर्यवेक्षण, अपर पुलिस उपायुक्त रल्लापल्ली वसंथ कुमार तथा सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर अभिषेक कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक कपिल गौतम के नेतृत्व में गठित टीम ने यह सफलता हासिल की।पुलिस के अनुसार 19 जुलाई 2026 को ओमेक्स सिटी निवासी गर्विता सिंह ने अपने बंद मकान का ताला तोड़कर जेवरात, नकदी और अन्य कीमती सामान चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इस संबंध में बिजनौर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के बाद पुलिस ने एक आरोपी को 22 जुलाई को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, जबकि उसके साथी की तलाश जारी थी।फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए गठित पुलिस टीमों ने करीब 70 से 80 सीसीटीवी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया। इसी क्रम में 2 अगस्त को शंकर कुमार शाक्य को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का सामान बरामद कर लिया गया। बाद में उसे न्यायालय में पेश किया गया।पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने साथी सुनील उर्फ रंजीत के साथ मिलकर 18 और 19 जुलाई की रात बंद पड़े मकान की रेकी करने के बाद ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया था। दोनों ने मिलकर जेवरात, घड़ी, सिक्के, लॉकर की चाबी और नकदी चोरी की थी। आरोपी ने स्वीकार किया कि बरामद किए गए जेवरात चोरी के ही हैं और वह उन्हें बेचने की फिराक में था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया।पुलिस के अनुसार आरोपी और उसका साथी रात के समय बंद पड़े मकानों की रेकी कर ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे और बाद में चोरी का सामान बेचकर रकम आपस में बांट लेते थे।गिरफ्तार आरोपी की पहचान शंकर कुमार शाक्य निवासी रजनीखंड, शारदा नगर, थाना आशियाना, लखनऊ (मूल निवासी इमराहिमपुर, बाराबंकी) के रूप में हुई है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके खिलाफ पहले भी एनडीपीएस अधिनियम और अन्य मामलों में मुकदमे दर्ज हैं।पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक सोने की चेन, दो जोड़ी कान के टॉप्स, एक नोज पिन, दो कड़े, एक जोड़ी पायल तथा 5,230 रुपये नकद बरामद किए हैं।

खेल में अपनी प्रतिभा को पहचाने और भविष्य संवारें

एक समय था जब यह माना जाता था कि केवल पढ़ाई-लिखाई ही उज्ज्वल भविष्य और अच्छी नौकरी का मार्ग है। इसी सोच को दर्शाते हुए कहा जाता था- 'पढ़ोगे-लिखोगे बनोगे नवाब, खेलोगे-कूदोगे बनोगे खराब।' लेकिन आज का भारत इस धारणा को पूरी तरह बदल चुका है। इसलिए आज के दौर में यह कहना उचित नहीं होगा कि केवल पढ़ाई-लिखाई ही सफलता का एकमात्र मार्ग है। यदि किसी में खेल के प्रति जुनून, अनुशासन और समर्पण है, तो वह खेलों के माध्यम से भी अपने सपनों को साकार कर सकता है। शिक्षा और खेल, दोनों मिलकर व्यक्तित्व का समग्र विकास करते हैं तथा जीवन में सफलता के नए द्वार खोलते हैं।

खेल केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास, अनुशासन और सफलता की ऐसी पाठशाला है, जहाँ से भविष्य के विजेता तैयार होते हैं। आज खेलों में करियर की असीम संभावनाएँ हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मान, रोजगार, आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक पहचान मिल रही है। ऐसे समय में प्रत्येक युवा के लिए आवश्यक है कि वह अपनी खेल प्रतिभा को पहचाने और उसे सही दिशा देकर अपने भविष्य को संवारे। हर बच्चे के भीतर कोई न कोई विशेष क्षमता होती है। किसी की गति उसे उत्कृष्ट धावक बनाती है तो किसी की फुर्ती कबड्डी, हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट, तीरंदाजी, बैडमिंटन, वॉलीबॉल या अन्य खेलों में सफलता दिला सकती है। यदि प्रतिभा को समय पर प्रशिक्षण और अवसर मिले, तो वही खिलाड़ी प्रदेश और देश का गौरव बनता है। खेलों का सबसे बड़ा योगदान यह है कि वे जीवन के महत्वपूर्ण गुणों का विकास करते हैं। अनुशासन, धैर्य, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, समय प्रबंधन और संघर्ष का साहस खेल के मैदान में ही सीखा जाता है। यही गुण आगे चलकर जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की नींव रखते हैं। छत्तीसगढ़ में खेलों को नया स्वरूप देने की दिशा में राज्य शासन ने उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने, ग्रामीण और जनजातीय अंचलों के युवाओं को अवसर उपलब्ध कराने तथा खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए अनेक पहल की जा रही हैं। प्रदेश में आधुनिक खेल अधोसंरचना का विकास, प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार, खेल अकादमियों को सुदृढ़ करना तथा विभिन्न स्तरों पर प्रतियोगिताओं का आयोजन इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इसी के साथ ही इस वर्ष से छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय खेलों इंडिया ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन किया गया है। विशेष रूप से बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसी अभिनव पहल ने खेलों को गाँव-गाँव तक पहुँचाया है। इन आयोजनों ने दूरस्थ वनांचलों और जनजातीय क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया है। परंपरागत खेलों के साथ आधुनिक खेलों को भी बढ़ावा देकर हजारों युवाओं, महिलाओं और बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला है। इन प्रतियोगिताओं ने यह साबित किया है कि अवसर मिलने पर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के खिलाड़ी अब राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने की क्षमता रखते हैं।

इसके साथ ही विद्यालय और महाविद्यालय स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं, ग्रामीण खेल आयोजनों, प्रतिभा खोज कार्यक्रमों तथा प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से नई प्रतिभाओं की पहचान की जा रही है। उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रोत्साहन, सम्मान और विभिन्न सुविधाएँ उपलब्ध कराकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य स्तर पर कई पुरस्कार प्रदान करती है। जिसमे गुंडाधुर सम्मान शामिल है। यह छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण के तहत दिया जाने वाला सर्वोच्च खेल पुरस्कार है। यह पुरस्कार बस्तर के वीर नायक गुंडाधुर की स्मृति में, खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को दिया जाता है। दूसरा महाराज प्रवीरचंद भंजदेव के नाम पर है। यह पुरस्कार विशेष रूप से तीरंदाजी के खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है। इसी के साथ छत्तीसगढ़ में खेल प्रोत्साहन योजना भी शुरू की गई है, जिससे युवाओं में खेल का अवसर प्राप्त हो सके। छत्तीसगढ़ के कई ऐसे खिलाड़ी, जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है, जो छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है। वर्तमान में ज्ञानेश्वरी यादव ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 (ग्लासगो) में महिला 53 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया। अमितेश कुजूर ने राष्ट्रमंडल खेल में बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसी प्रकार अन्य खिलाड़ियों ने भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेलों में पदक जीतकर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है।

मध्य पूर्व में उथल-पुथल से भारत-खाड़ी संबंधों के लिए चुनौतियां

जीसीसी देशों में बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी रहते हैं, जो हर साल अरबों डॉलर भारत भेजते हैं। इससे भारत की अर्थव्यवस्था को काफी मजबूती मिलती है। साथ ही, खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी भारत के साथ व्यापार पर काफी हद तक निर्भर हैं।

प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय

गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) एक समूह के तौर पर, विकासशील भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जीसीसी के सदस्य देशों के भारत के साथ सांस्कृतिक, आर्थिक और सभ्यतागत संबंध बहुत पुराने हैं। हाल के वर्षों में, यह संबंध पारंपरिक खरीदार-विक्रेता रिश्ते से आगे बढ़कर एक रणनीतिक गठबंधन में बदल गया है, जिसमें ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, रक्षा सहयोग और वहां रहने वाले भारतीयों का कल्याण शामिल है। इस क्षेत्र में मौजूद तेल और गैस के बड़े भंडार भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद अहम हैं।

जीसीसी देशों में बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी रहते हैं, जो हर साल अरबों डॉलर भारत भेजते हैं। इससे भारत की अर्थव्यवस्था को काफी मजबूती मिलती है। साथ ही, खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी भारत के साथ व्यापार पर काफी हद तक निर्भर हैं। यह जीसीसी और भारत की संयुक्त कोशिश है, जिससे इस क्षेत्र की तरक्की और खुशहाली में मदद मिलेगी। कई संयुक्त परियोजनाओं के माध्यम से इसमें वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिरता और समृद्धि को बढ़ाने की क्षमता है। आपसी संबंधों को गहरा करने के लिए व्यापार, निवेश, बुनियादी ढांचे और लोगों के बीच आपसी संपर्क में सहयोग बढ़ाना कारगर साबित हुआ है।

प्रवासी और रेमिटेंस (विदेश से भेजा गया पैसा): दक्षिण एशियाई व्यापार और व्यापक आर्थिक स्थिरता को प्रवासी कामगारों से काफी समर्थन मिलता है। जीसीसी देशों में लगभग 1 करोड़ (10 मिलियन) भारतीय रहते हैं। जीसीसी देशों ने इस क्षेत्र के विकास में भारतीय समुदाय की भूमिका को माना है। यह पश्चिमी एशिया (मुख्य रूप से जीसीसी) और दक्षिण एशिया के बीच व्यापार और रेमिटेंस की स्थिति है, जो हाल के आंकड़ों पर आधारित है। वित्त वर्ष 2024-25 में, भारत को दुनिया भर से रिकॉर्ड 135.46 अरब डॉलर का रेमिटेंस मिला। विश्व बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत को सबसे ज़्यादा रेमिटेंस मिला है। 2024 में मेक्सिको दूसरे स्थान पर रहा, जहां 68 अरब डॉलर आने का अनुमान है। तीसरे स्थान पर चीन रहा, जहां अनुमानित 48 अरब डॉलर आए।

भारत को मिलने वाले कुल रेमिटेंस में जीसीसी देशों की हिस्सेदारी लगभग 38% है, जो इस क्षेत्र में बड़ी आर्थिक आमद का जरिया है। भारत में रेमिटेंस पर निर्भरता कुछ खास इलाकों तक सीमित है; अकेले यूएई से भारत को कुल रेमिटेंस का लगभग 19.2% हिस्सा मिलता है। इसके बाद सऊदी अरब का स्थान है, जहां से 6.7% रेमिटेंस आता है। भारत में आने वाले कुल रेमिटेंस (हर साल लगभग $27–28 बिलियन) में महाराष्ट्र का हिस्सा करीब 20.5% है, और केरल का हिस्सा करीब 19.7% (लगभग $26–27 बिलियन) है। इसलिए, खाड़ी देशों (गल्फ) में मंदी का इन दोनों राज्यों पर बहुत ज़्यादा असर पड़ता है। जीसीसी की कुल आबादी 6.15 करोड़ (61.5 मिलियन) है और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) $2.3 ट्रिलियन है। कुल द्विपक्षीय व्यापार (वित्त वर्ष 2024-25) $178.56 बिलियन का है। सितंबर 2025 तक भारत में जीसीसी का कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) $31.14 बिलियन से ज़्यादा हो गया है। भारत इंजीनियरिंग का सामान, चावल, कपड़ा, मशीनरी, रत्न और आभूषण एक्सपोर्ट करता है; और कच्चा तेल, द्रवरूप प्राकृतिक गैस (एलएनजी), पेट्रोकेमिकल्स और सोना जैसी कीमती धातुएं इंपोर्ट करता है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत-खाड़ी व्यापार रिकॉर्ड $178.56 बिलियन तक पहुँच गया, जो भारत के कुल ग्लोबल व्यापार का 15.42% है। इसमें $56.87 बिलियन का एक्सपोर्ट और $121.68 बिलियन का इंपोर्ट शामिल है — जिससे जीसीसी भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर ब्लॉक बन गया है, जो भारत के ग्लोबल व्यापार का 15.42% है। पाँच साल का ट्रेंडः द्विपक्षीय व्यापार सालाना औसतन 15.3% की दर से बढ़ा है। भारत और जीसीसी ने फरवरी 2026 में औपचारिक रूप से मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) बातचीत शुरू की। इंडस्ट्री के अनुमान के मुताबिक, 2030 तक इस कॉरिडोर में कुल व्यापार $250 बिलियन से ज़्यादा हो सकता है।

यूएई के साथ व्यापार $100 बिलियन से ज़्यादा (सीईपीए) के तहत वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग $101.25 बिलियन) रहा, जिसमें भारत का व्यापार घाटा $26.53 बिलियन था; भारत ने $37.36 बिलियन का एक्सपोर्ट किया और $63.89 बिलियन का इंपोर्ट किया। सऊदी अरब, कतर, ओमान, कुवैत और बहरीन के साथ व्यापार क्रमशः $41.87 बिलियन (भारत का दूसरा सबसे बड़ा जीसीसी पार्टनर), $14.14 बिलियन, $10.61 बिलियन, $1.64 बिलियन का रहा। भू-राजनीतिक चुनौतियों से निपटना अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीति में तेज़ी से हो रहे बदलावों के कारण भारत-जीसीसी सहयोग के सामने चुनौतियां हैं। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते अंतरराष्ट्रीय तनाव और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच, सबसे बड़ी चुनौती जीसीसी देशों और भारत के लिए संतुलन बनाए रखने की है। पारंपरिक रूप से, भारत और खाड़ी देशों के बीच हाइड्रोकार्बन को लेकर आर्थिक निर्भरता रही है, लेकिन अब रिन्यूएबल एनर्जी (नवीकरणीय ऊर्जा) की ओर वैश्विक झुकाव के कारण यह संबंध खतरे में है। भारत एक मुश्किल कूटनीतिक स्थिति में है, जहाँ उसे ईरान, इज़राइल और सऊदी अरब जैसे क्षेत्रीय दुश्मनों के साथ अपने संबंधों को संतुलित करना पड़ रहा है, खासकर तब जब खाड़ी देश पारंपरिक पश्चिमी सहयोगियों से आगे बढ़कर उभरते एशियाई देशों के साथ नए रणनीतिक गठबंधन बना रहे हैं। इस क्षेत्र का सुरक्षा ढांचा भी बदल रहा है।

इन भू-राजनीतिक बाधाओं के बावजूद, भारत-जीसीसी सहयोग को नया रूप देने और उसे बेहतर बनाने के लिए कई रणनीतिक कदम उठाए जा सकते हैं। आर्थिक एकीकरण को बढ़ाने और व्यापारिक जोखिमों को कम करने की दिशा में पहला कदम भारत-जीसीसी एफटीए को जल्द से जल्द पूरा करना है। दूसरा कदम यह है कि सहयोग केवल ऊर्जा तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए...इसमें रिन्यूएबल एनर्जी, रिन्यूएबल हाइड्रोजन, खाद्य सुरक्षा, अहम टेक्नोलॉजी और मिलिट्री मैन्युफैक्चरिंग जैसे भविष्य से जुड़े क्षेत्रों को शामिल किया जाना चाहिए। कई बुनियादी रणनीतियां द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत कर सकती हैं और उन्हें भू-राजनीतिक तनावों से बचा सकती हैं: द्विपक्षीय जुड़ाव के ढांचे को क्षेत्रीय से वैश्विक स्तर पर ले जानाः मध्य पूर्व की क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्थाओं की नाजुकता और बहु-ध्रुवीय प्रकृति के कारण, भारत एक व्यापक क्षेत्रीय नीति से हटकर अधिक लक्षित द्विपक्षीय जुड़ाव के दृष्टिकोण की ओर बढ़ रहा है। जीसीसी सदस्यों के साथ अलग-अलग बातचीत करके भारत भू-राजनीतिक तनाव वाले मुद्दों से बच सकता है। इससे उसे खाड़ी देशों के आपसी मुद्दों, जैसे राजनयिक संकट और ऐतिहासिक नाकेबंदी, को सुलझाने में मदद मिलेगी। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

व्यंग्य

सचमुच नई पीढ़ी का आंदोलन

नीट यूजी पेपर लीक के खिलाफ जंतर मंतर का आंदोलन सचमुच नई पीढ़ी का आंदोलन थे। सिर्फ इस लिहाज से नहीं कि नई पीढ़ी के लोग इसमें शामिल हुए। वह एक पहलू है कि वयस्क होने से पहले की उम्र वाले किशोर और युवा इस आंदोलन का हिस्सा बने। इस लिहाज से भी यह नई पीढ़ी का आंदोलन था कि इसमें नए साधनों और नए माध्यमों का खुल कर इस्तेमाल हुआ। छात्र और युवा सोशल मीडिया के जरिए अपना नैरेटिव बना रहे हैं। उनकी रचनात्मकता देखना वाली है। वे पारंपरिक मीडिया या पुराने व स्थापित सोशल मीडिया हैंडल्स के भरोसे नहीं हैं। वे अपना कंटेंट तैयार कर रहे हैं और उसे प्रचारित कर रहे हैं।

तभी उनके ऊपर इस बात का असर नहीं पड़ा कि मीडिया या सोशल मीडिया इसको कैसे दिखाता है और सरकार किस तरह से इसकी साख बिगाड़ने का प्रयास करती है। वह प्रयास होता रहा लेकिन उस पर भारी युवाओं का अपना कंटेंट था। उन्होंने बहुत प्रभावी तरीके से सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया।

इसी तरह ऐप बेस्ड सेवाओं का इस्तेमाल जैसा इस आंदोलन में हुआ वैसा पहले कभी नहीं हुआ। वैसे भी नए समय का पहला बड़ा आंदोलन है। तभी कई दिन तक नई दिल्ली के आसपास के सारे मेट्रो स्टेशन बंद रहने पर भी छात्रों को परेशानी नहीं हुई। उन्होंने सबके रास्ते निकाले। ऐप बेस्ड कैब सेवाएं हों या ऐप बेस्ड फूड डिलीवरी की सेवा हो, जंतर मंतर पर सबका इस्तेमाल हुआ।

इसी तरह आंदोलनकारी अपने नारों और कंटेंट में भी बहुत अलग हैं। वे पुराने नारों से अपनी लड़ाई नहीं लड़ रहे हैं। बहुत लोगों को बुरा लगा है और वे पुराने जमाने के नारे लिख कर बता रहे हैं कि पहले कितना सारगर्भित और साफ सुथरा नारा हुआ करता था। यह भी कहा जा रहा है कि युवाओं के नारे अश्लील हैं और इससे उनका आंदोलन प्रभावित हो रहा है। लेकिन इस तरह की बातों से युवाओं पर कोई असर नहीं पड़ा है। वे बिना किसी शर्मिंदगी या बिना किसी माफीनामे के अपनी बात कह रहे हैं। पहली बार सरकार और भाजपा के पूरे इकोसिस्टम को लगा कि छात्रों व युवाओं के जिस समूह के साथ प्रधानमंत्री परीक्षा पर चर्चा करते थे या जिनके लिए एग्जाम वारियर्स नाम से किताब लिखी है वे नाराज होते हैं तो क्या कर सकते हैं? अब तक सरकार ने उनका सद्भाव देखा था लेकिन अब उन्होंने नाराजगी दिखाई है। सद्भाव और समर्थन दिखाने का उनका तरीका भी वैसा था, जैसे विरोध दिखाने का है। पहले वे इस तरह की बातों का इस्तेमाल विपक्षी पार्टियों के लिए करते थे, तब सरकार और भाजपा के इकोसिस्टम को यह सब अच्छा लगता था। लेकिन अब उन्हीं की दवाई से उनका इलाज हो रहा है तो बुरा लग रहा है।

ब्लॉग

Nepal में भड़की साम्प्रदायिक हिंसा की चिंगारी क्या समूचे हिंदू समाज के लिए खतरे की घंटी है?

नीरज कुमार दुबे

नेपाल के जिस कप्तानगंज इलाके से इस हिंसा की शुरुआत हुई, वह भारत के बिहार से लगी खुली सीमा के बेहद करीब स्थित है। यह क्षेत्र सुनसरी जिले की देवानगंज ग्रामीण पालिका के अंतर्गत आता है, जहां हिंदू और मुस्लिम समुदाय दशकों से एक-दूसरे के पड़ोसी के रूप में रहते आए हैं।

नेपाल की तराई इस समय किसी शांत पहाड़ी देश की तस्वीर नहीं, बल्कि ऐसी बारूद की ढेरी नजर आ रही है, जहां एक मामूली चिंगारी ने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। कांवड़ यात्रा की तैयारियों के दौरान डीजे की तेज आवाज को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़पों में बदल गया। पत्थर चले, पुलिस ने लाठीचार्ज किया, आंसू गैस छोड़ी, चेतावनी के तौर पर फायरिंग हुई और आखिरकार गोलियां चलीं। तीन लोगों की मौत ने इस विवाद को स्थानीय घटना से उठाकर राष्ट्रीय संकट का रूप दे दिया।

हिंसा की शुरुआत सुनसरी जिले के देवानगंज क्षेत्र से हुई, लेकिन जल्द ही इसकी आग धनुषा, सिराहा, सप्तरी और जनकपुर सहित नेपाल के दक्षिणी तराई क्षेत्र में फैल गई। प्रशासन को कई जिलों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगाना पड़ा, जबकि पांच से अधिक लोगों के एकत्र होने, जुलूस, प्रदर्शन और सभाओं पर रोक लगा दी गई। नेपाल सेना तक को तैनात करना पड़ा, जिससे हालात की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

नेपाल के जिस कप्तानगंज इलाके से इस हिंसा की शुरुआत हुई, वह भारत के बिहार से लगी खुली सीमा के बेहद करीब स्थित है। यह क्षेत्र सुनसरी जिले की देवानगंज ग्रामीण पालिका के अंतर्गत आता है, जहां हिंदू और मुस्लिम समुदाय दशकों से एक-दूसरे के पड़ोसी के रूप में रहते आए हैं। स्थानीय बाजार, स्कूल और सामाजिक जीवन दोनों समुदायों के बीच साझा रहे हैं। यही नजदीकी सामान्य दिनों में सामाजिक सौहार्द का प्रतीक बनती है, लेकिन तनाव की स्थिति में यही भौगोलिक निकटता छोटी-सी कहासुनी को भी कुछ ही घंटों में बड़े सांप्रदायिक टकराव में बदल देने का खतरा पैदा कर देती है।

हम आपको यह भी बता दें कि स्थिति कुछ सामान्य होने पर प्रशासन ने चुनिंदा इलाकों में कर्फ्यू में ढील देना शुरू किया है। हालांकि कई संवेदनशील क्षेत्रों में प्रतिबंध अभी भी जारी हैं। अस्पताल, एंबुलेंस, दवा, दूध, ईंधन और आवश्यक सेवाओं को छूट दी गई है। इसी के साथ विभिन्न जिलों में शांति रैलियां निकाली जा रही हैं, ताकि दोनों समुदायों के बीच विश्वास बहाल किया जा सके। जनकपुर में सर्वदलीय बैठक आयोजित कर राजनीतिक दलों, धार्मिक नेताओं और सामाजिक प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाने का प्रयास भी किया गया।

उधर, इस मुद्दे पर लगातार आलोचना झेलने के बाद प्रधानमंत्री बलेंद्र शाह ने पहली बार राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने हिंसा की निष्पक्ष जांच के लिए समिति गठित करने की घोषणा करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिलाया। उन्होंने नागरिकों से अफवाहों और नफरत फैलाने वाले संदेशों से बचने तथा केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की। सरकार ने मृतकों के परिजनों को दस-दस लाख नेपाली रुपये का मुआवजा देने और उन्हें शहीद घोषित करने की प्रक्रिया शुरू करने का भी वादा किया है।

लेकिन सवाल केवल इतना नहीं है कि हिंसा कैसे भड़की। असली चिंता यह है कि नेपाल, जिसे लंबे समय तक धार्मिक सह-अस्तित्व का उदाहरण माना जाता था, वहां अब सामाजिक ध्रुवीकरण की घटनाएं अपेक्षाकृत अधिक दिखाई देने लगी हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि स्थानीय विवाद, सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहें, कमजोर प्रशासनिक प्रतिक्रिया, बेरोजगारी और समुदायों के बीच बढ़ता अविश्वास ऐसे हालात को और विस्फोटक बना रहे हैं। कुछ विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि इस घटना को केवल हिंदू-मुस्लिम संघर्ष के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा, क्योंकि इसके पीछे राजनीतिक, सामाजिक और संस्थागत कारण भी मौजूद हैं।

दरअसल, नेपाल की तराई पहली बार बड़े पैमाने पर हिंसा का गवाह नहीं बनी है। वर्ष 2007 का गौर नरसंहार, कपिलवस्तु की जातीय हिंसा और 2015 की टीकापुर घटना इस क्षेत्र की संवेदनशील सामाजिक संरचना की याद दिलाती हैं। इन घटनाओं का स्वरूप धार्मिक नहीं था, बल्कि जातीय और राजनीतिक संघर्षों से जुड़ा था। लेकिन इन सभी घटनाओं में एक समानता स्पष्ट दिखती है कि बड़ी भीड़ रही, प्रशासन की देर से प्रतिक्रिया आई और स्थानीय तनाव ने तेजी से हिंसक रूप ले लिया। यही कारण है कि आज धार्मिक विवाद भी उसी संवेदनशील सामाजिक ढांचे में और अधिक विस्फोटक साबित हो रहे हैं।

इसी संदर्भ में नेपाल में बढ़ते धार्मिक ध्रुवीकरण पर भी बहस तेज हो गई है। कुछ राजनीतिक समूह नेपाल की बदलती जनसांख्यिकीय और धार्मिक राजनीति को लेकर चिंता जता रहे हैं तथा इसे बढ़ते इस्लामी प्रभाव या पहचान-आधारित राजनीति से जोड़ रहे हैं, जबकि अन्य विशेषज्ञ इसे सामाजिक अविश्वास, आर्थिक निराशा तथा राजनीतिक ध्रुवीकरण का संयुक्त परिणाम मानते हैं। देखा जाये तो नेपाल इस समय धार्मिक पहचान की राजनीति के बढ़ते प्रभाव का सामना कर रहा है, जिससे सभी समुदायों के बीच तनाव बढ़ने का जोखिम पैदा हुआ है।

हम आपको बता दें कि नेपाल की 2021 की जनगणना के अनुसार मुस्लिम आबादी राष्ट्रीय स्तर पर लगभग 5 प्रतिशत है, लेकिन मधेश और तराई के कई सीमावर्ती जिलों में उनकी हिस्सेदारी राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक है। सुनसरी, धनुषा, रौतहट, पर्सा और सराही जैसे जिले भारत की खुली सीमा से जुड़े हैं, जहां वर्षों पुराने पारिवारिक, वैवाहिक और व्यापारिक रिश्ते बिहार तथा उत्तर प्रदेश से जुड़े हुए हैं। यही कारण है कि सीमा के दोनों ओर पैदा होने वाले सामाजिक या सांप्रदायिक तनाव एक-दूसरे को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। भारत के लिए चुनौती केवल सीमा सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि अफवाहों, कट्टरपंथी प्रचार, संगठित उकसावे और सोशल मीडिया के माध्यम से फैलने वाले दुष्प्रचार पर भी समान रूप से नजर रखना आवश्यक होगा।

भारत के लिए यह घटनाक्रम विशेष महत्व रखता है क्योंकि हिंसा प्रभावित अधिकांश जिले भारतीय सीमा से लगे हुए हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश से सटी खुली भारत-नेपाल सीमा दोनों देशों की सबसे बड़ी ताकत भी है और संवेदनशीलता भी। यदि नेपाल में सांप्रदायिक तनाव लंबे समय तक बना रहता है तो उसका असर सीमा पार सामाजिक संबंधों, व्यापार, सुरक्षा और खुफिया चुनौतियों पर भी पड़ सकता है। भारत को नेपाल के साथ सुरक्षा समन्वय, सीमा पर सतर्क निगरानी, अफवाहों और कट्टरपंथी प्रचार पर नजर तथा स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर सूचना साझाकरण को और मजबूत करना होगा।

नेपाल फिलहाल हिंसा की आग को बुझाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन वास्तविक चुनौती केवल कर्फ्यू हटाने की नहीं, बल्कि टूटते सामाजिक विश्वास को फिर से जोड़ने की है। यदि राजनीतिक नेतृत्व, प्रशासन और समाज मिलकर समय रहते इस संकट का स्थायी समाधान नहीं खोजते, तो यह घटना भविष्य में और बड़े सामाजिक टकरावों की चेतावनी साबित हो सकती है। नेपाल की शांति केवल नेपाल का विषय नहीं है, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया, विशेषकर भारत की सुरक्षा और स्थिरता से भी गहराई से जुड़ी हुई है।

सांसद अफजाल अंसारी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, शस्त्र लाइसेंस दुरुयोग के मामले गिरफ्तारी पर लगी अंतरिम रोक

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शस्त्र लाइसेंस की मूल पत्रावली गायब कराने के मामले में समाजवादी पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी को राहत दी है। एफआईआर को चुनौती देते हुए दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा, जिस पर हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई तक अफजाल अंसारी की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी।

गाजीपुर के थाना कोतवाली में 22 जुलाई 2026 को अफजाल अंसारी के खिलाफ शस्त्र लाइसेंस की मूल पत्रावली गायब कराने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी। आरोप है कि उन्होंने संबंधित शस्त्र लिपिक के साथ मिलीभगत

कर शस्त्र लाइसेंस की मूल पत्रावली गायब कराई। इसी एफआईआर को रद्द कराने और गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग को लेकर अफजाल अंसारी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अदालत से निर्देश प्राप्त करने और जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा गया। इस पर हाईकोर्ट ने सरकार को समय देते हुए अगली सुनवाई तक अफजाल अंसारी की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी।

शस्त्र लिपिक को भी बनाया गया है आरोपी

इस मामले में तत्कालीन शस्त्र लिपिक गौरीशंकर लाल और शस्त्र लिपिक द्वितीय सुग्रीव तिवारी को भी आरोपी बनाया गया है। तीनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 409, 120-बी, 419 तथा आर्म्स एक्ट की धारा 21, 25 और 30 के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

ऐतिहासिक चेहल्लुम में उमड़ा जन सैलाब

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। नगर का ऐतिहासिक चेहल्लुम सोमवार को गमगीन माहौल में हुआ। इमामबाड़ा शेख मोहम्मद इस्लाम से उठा जूलूस बेगमगंज स्थित सदर इमामबाड़ा पहुंचा जहाँ ऐ हुसैन अलविदा की सदा के साथ नम आंखो से सभी ताजिये व तुरबत सुपुर्दे खाक किये गए। सोमवार को कार्यक्रम का आरम्भ दोपहर एक बजे मजलिस से हुआ, सोजख्वानी हुई एवं मरसियाख्वानी मुफ्ती शारिब मेहंदी ने किया। मजलिस को मौलाना सै नदीम रजा जैदी फैजाबादी ने सम्बोधित करते हुए इमाम पर हुए मसायब पढ़ा तो लोग दहाड़े मार रोने लगे। और इमामबाड़े से ऐतिहासिक तुरबत निकाली गई। तुरबत से मन्नती नेबू उतारने व चढ़ाने के लिए भारी संख्या में महिला पुरुष मोमनीन उमड़ पड़े। उसके बाद ताजिये व तुरबत के साथ जुलूस की शक्ल मे अन्जुमन नौहा

पढ़ती मातम करती अपने कदीम रास्ते बाजार भुआ, मुल्लाटोला, बारादुअरिया, हममाम दरवाजा, काजियाना गली, अजमेरी, पुरानी बाजार होते हुए सदर इमाम बाड़ा पहुंचकर सम्पन्न हुआ। संचालन कबीर जैदी ने किया। रविवार की रात इस्लाम चैक पर ताजिया रखी गयी तत्पश्चात शब्बेदारी के आयोजनार्थ एक मजलिस हुई पूरे रात दिन लोग ताजिया से मन्नते मागते व उतारते रहे। भोर में पांच बजे अलवेदाई मजलिस हुई जिसको बेलाल हसनैन ने पढ़ा, जिसके बाद आग से दहकती हुई जंजीर का मातम अन्जुमन गुलशने इस्लाम ने किया। रात में संचालन सै अकबर हुसैन जैदी और अबु तालिब जैदी ने किया। ज्ञात हो कि इस ऐतिहासिक चेहल्लुम को पूरे देश में मनाये जाने वाले चेहल्लुम से एक दिन पहले मनाया जाता है। इसके इतिहास को देखते हुए देश के विभिन्न हिस्से से हजारो की संख्या में मोमनीन पहुंचते है।

हाईवे पर दौड़ती कार में हैवानियत : वो चीखती रही, सात घंटे तक घुमाते रहे

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। 10वीं कक्षा की छात्रा को गाजियाबाद के मसूरी थाने के पास से अगवा कर दो आरोपियों ने चलती कार में उसके साथ दुष्कर्म किया। किशोरी को कार में लेकर आरोपी करीब सात घंटे तक शहर की सड़कों पर घूमते रहे। देर रात उसे बदहवास हालत में एनएच-9 के किनारे फेंककर फरार हो गए। पीड़िता अगले दिन घर पहुंची। मां की शिकायत पर पुलिस ने पॉक्सो, सामूहिक दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर दोनों आरोपियों मुजाहिद (45) व सलीम अख्तर (48) को गिरफ्तार कर लिया है। पिलखुवा के आजमपुर दहपा गांव निवासी दोनों आरोपी दोस्त हैं और साथ में ईंट भट्ठे का कारोबार करते हैं। मुजाहिद पिलखुवा का हिस्ट्रीशीटर है। मसूरी की कॉलोनी में रहने वाली पीड़िता की मां ने पुलिस को बताया कि 27 जुलाई को बेटी (16) किसी काम से घर से निकली थी। शाम करीब साढ़े सात बजे वह मसूरी थाने के पास एनएच-9 की सर्विस रोड के किनारे वाहन का इंतजार कर रही थी। तभी कार सवारों ने उसे अकेला देखकर अगवा कर लिया।

डराया... मारने की धमकी

पीड़िता ने पुलिस को बताया, आरोपियों ने विरोध करने पर उसे डराया और जान से मारने की धमकी दी। कार में वह चीखती रही और छोड़ने की गुहार लगाती रही, पर आरोपियों ने उसकी एक नहीं सुनी।। कार के शीशों पर सन शेड लगी हुई थी, जिससे बाहर से अंदर कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। पीड़िता ने बताया कि जब शिकायत करने की बात कही तो आरोपी देर रात ढाई बजे उसे ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के पास फेंककर भाग गए। 28 जुलाई की सुबह किसी राहगीर की मदद से वह घर पहुंची।

वारदात के बाद घर जाकर सो गए

एसीपी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि कार नंबर व मोबाइल फोन की लोकेशन के आधार पर दोनों आरोपियों को पिलखुवा से गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने वारदात कबूल कर ली है। दोनों शादीशुदा हैं। वारदात के बाद दोनों घर जाकर आराम से सो गए। कार भी बरामद कर ली गई है।

मां बोलीं-मिले सख्त सजा

पीड़िता की मां ने बताया कि उन्होंने बेटी को गोद लिया था। उन्होंने आरोपियों के लिए कड़ी सजा की मांग की है।

चीखती रही बेटी...सोता रहा सिस्टम

सात घंटे, एक कार और मदद की आस में गुजरता हर पल। 27 जुलाई की रात दरिंदगी की शिकार हुई 10वीं की छात्रा को उम्मीद थी कि कहीं न कहीं पुलिस दिखेगी, कोई उसकी चीख सुन लेगा और कार रुकवा देगा। कार दो बार थाने के सामने से गुजरी भी, रास्ते में पुलिस चौकियां मिलीं और पुलिसकर्मी भी दिखे, लेकिन किसी ने उसकी बेबस चीखें नहीं सुनीं। चौंकाने वाली बात यह है कि दिन में चार पहिया वाहनों के शीशों से काली फिल्म उतरवाने वाली पुलिस रात में आरोपियों की कार के शीशे पर सन शेड लगा होने के बाद भी नहीं चेती। इतना ही नहीं, पीड़िता के पुलिस की चौखट पर पहुंचने के बाद एफआईआर दर्ज होने में भी चार दिन लग गए। इस पूरी घटना ने कानून व्यवस्था की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रात में कार के शीशे पर सन शेड लगा होने के बाद भी पुलिस का नहीं चेतना और चौंकाने वाला है। उस बोझिल रात को दुष्कर्म की शिकार हुई किशोरी जितनी बेबस थी, अपराधी उतने ही बेखौफ और व्यवस्था सुस्त। पीड़िता के मुताबिक, आरोपी पहली बार रात करीब आठ बजे और दूसरी बार करीब दो बजे उसे कार में लेकर मसूरी थाने के सामने से गुजरे। रास्ते में दो स्थानों पर पुलिस का वाहन खड़ा मिला।

मेडिकल स्टोर से खरीदीं कुछ दवाएं

पिलखुवा की ओर जाते समय सड़क किनारे चीता बाइक पर पुलिसकर्मी भी दिखाई दिए। इस दौरान वह लगातार रोती-गिड़गिड़ाती रही, लेकिन उसकी आवाज किसी तक नहीं पहुंच सकी। रास्ते में आरोपियों ने एक मेडिकल स्टोर पर कार रोकी और कुछ दवाएं खरीदीं। इस दौरान किशोरी ने कार से निकलने की कोशिश की, लेकिन आरोपियों ने उसे काबू कर लिया। इसके बाद वे उसे एक सुनसान रास्ते पर बने फार्म हाउस में ले गए। वहां तैनात गार्ड ने गेट खोला। कुछ देर अंदर रहने के बाद आरोपी फिर उसे लेकर निकल गए। पीड़िता का कहना है कि अगर कहीं भी किसी ने सतर्कता दिखाई होती तो शायद उसकी पीड़ा इतनी लंबी न होती।

फार्म हाउस का राज भी जांच के घेरे में

पीड़ित मां का कहना है कि पुलिस को फार्म हाउस के गार्ड और मालिक से भी पूछताछ करनी चाहिए। उनका कहना है कि गार्ड ने गेट खोला था, इसलिए उसकी भूमिका की भी जांच जरूरी है। यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि आरोपी वहां किस मकसद से गए थे। हालांकि, सदमे में होने के कारण किशोरी फार्म हाउस की सही लोकेशन नहीं बता पा रही है।

यूपी पुलिस के सिपाही ने की खुदकुशी : मोबाइल में गेम, पत्नी से विवाद और डूबी रकम, इस कारण अवसाद में था दीपक

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। बाराबंकी में 10वीं वाहिनी पीएसी परिसर स्थित हॉस्टल के कमरे में रविवार सुबह सिपाही दीपक सिंह (34) का शव फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शुरुआती जांच में मोबाइल गेम की लत के चलते पैसा गंवाने से पारिवारिक कलह की बात सामने आई है। मेरठ के रोहटा निवासी दीपक वर्ष 2021 बैच के सिपाही थे। उनकी पहली तैनाती बाराबंकी में थी। वर्ष 2022 में उनका विवाह हुआ था। दो वर्ष की बेटी है। बड़े भाई व नोएडा में तैनात उपनिरीक्षक अजय सिंह के अनुसार, दीपक लंबे समय से मोबाइल गेम खेलने के आदी थे और इसमें काफी रुपये गंवा चुके थे।

इससे आर्थिक तंगी के कारण पति-पत्नी के बीच विवाद होता था। छह माह पहले पत्नी बेटी को लेकर

मायके चली गई थी। मसौली एसएचओ अजय प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का है।

पत्नी से विवाद और रकम डूबने के कारण अवसाद में था दीपक

बाराबंकी में पीएसी में तैनात दीपक (30) की मौत की सूचना मिली मेरठ के रोहटा में तो घर में मातम पसर गया। परिजन शव लेने के लिए बाराबंकी के लिए रवाना हो गए। सिपाही के घर के बाहर ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई।

ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी। बताया गया कि पत्नी से विवाद, मोबाइल गेम्स और शेयर बाजार में रकम डूबने से दीपक काफी समय से अवसाद में था। गांव रोहटा निवासी ब्रह्मा सिंह राज मिस्त्री हैं। उनका बड़ा बेटा अजय उर्फ बंटी सेक्टर-19 नोएडा में यूपी पुलिस में दरोगा है।

उससे छोटा बेटा गौतम कुमार सरदार वल्लभभाई पटेल यूनिवर्सिटी मोदीपुरम में अवर अभियंता है। दीपक छह साल पहले पीएसी में भर्ती हुआ था। दीपक की शादी रोहटा रोड स्थित लखवाया गांव निवासी शोभा से हुई थी। शादी के बाद दोनों के एक डेढ़ वर्ष की बेटी खुशी है। दीपक वर्तमान में बाराबंकी में तैनात था।

रविवार शाम सूचना मिली कि बाराबंकी में दीपक का शव फंदे पर लटका मिला। दीपक का पत्नी शोभा से किसी बात से विवाद चल रहा था। इसके चलते पत्नी अपने मायके में रह रही थी। पति की मौत की जानकारी के बाद पत्नी का रोकर बुरा हाल है। वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि सिपाही पर लाखों रुपये का कर्ज हो गया था। उसके बड़े भाई ने कुछ समय पूर्व उसका 14 लाख रुपये का कर्ज अदा किया था।

विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने सदर विधानसभा क्षेत्र में राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद, उत्तर प्रदेश के अंतर्गत विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया। इन परियोजनाओं के तहत सात संपर्क मार्गों का निर्माण एवं नवनिर्माण कराया गया है, जिनसे ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन और अधिक सुगम होने की उम्मीद है। लोकार्पित परियोजनाओं में खेतासरायदृदीदारगंज मार्ग से जैगहों तक 0.55 किलोमीटर लंबा संपर्क मार्ग 19.77 लाख रुपये की लागत से बनाया गया है। वहीं गुरैनीदृसोंगर मार्ग से यादव-प्रजापति बस्ती होते हुए गुरैनी मार्ग तक 0.50 किलोमीटर सड़क का निर्माण 14.80 लाख रुपये की लागत से कराया गया।इसके अलावा जपटापुर भुड़कुडा पिच रोड से लपरी नहर तक 0.40 किलोमीटर संपर्क मार्ग का निर्माण 40.12 लाख रुपये की लागत से, मीरापुरदृमुबारकपुर मार्ग से पूरा

अंधरी गांव में राजीव यादव के घर तक 0.35 किलोमीटर सड़क का निर्माण 12.11 लाख रुपये की लागत से कराया गया। इसी क्रम में जौनपुरदृखुटहन मार्ग से छतौरा तक 0.50 किलोमीटर लंबे संपर्क मार्ग का नवनिर्माण 15.70 लाख रुपये की लागत से तथा जौनपुरदृखुटहन मार्ग पर मीरापुर पिच रोड से गुलालपुर तक 0.45 किलोमीटर सड़क का निर्माण 17.51 लाख रुपये की लागत से पूरा किया गया। वहीं कोइरीडीहादृमल्हनी मार्ग पर ग्राम सभा जर्गे पिच रोड से जर्सी में अरविन्द यादव के घर तक 0.37 किलोमीटर संपर्क मार्ग का नवनिर्माण 17.19 लाख रुपये की लागत से कराया गया।

संक्षेप

झुलसे बालक को लेकर ग्रामीणों ने रास्ता रोका

जौनपुर । केराकत के पूरनपुर गांव में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलसे बालक शिवम के उपचार को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। वाराणसी के अस्पताल में 16 दिनों तक इलाज के बाद चिकित्सकों द्वारा घर ले जाकर सेवा करने की सलाह दिए जाने से नाराज परिजन बालक को लेकर मनियरा मोड़ स्थित विद्युत विभाग के कार्यालय पहुंच गए। कुछ ही देर में बड़ी संख्या में ग्रामीण भी वहां एकत्र हो गए और सड़क पर चक्काजाम कर दिया। इससे करीब डेढ़ घंटे तक आवागमन पूरी तरह बाधित रहा ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विद्युत विभाग की लापरवाही के कारण बालक हादसे का शिकार हुआ, लेकिन अब उसके समुचित उपचार की व्यवस्था भी नहीं की जा रही है। उन्होंने बेहतर इलाज एवं आर्थिक सहायता की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।सूचना मिलते ही उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा क्षेत्राधिकारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों और परिजनों से वार्ता कर उन्हें शांत कराया तथा तत्काल बालक को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजने की व्यवस्था कराई।इस दौरान विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता ने बालक के इलाज के लिए पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

सड़क हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौत

जौनपुर। बक्शा थाना क्षेत्र के कुल्हनामऊ गांव के पास देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन कर उन्नाव लौट रहे श्रद्धालुओं की तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा भिड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोग बुरी तरह फंस गए। सूचना मिलते ही बक्शा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को बाहर निकालकर जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उनका उपचार जारी है।पुलिस ने बताया कि कार में कुल पांच श्रद्धालु सवार थे। इनमें से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन घायल जिला अस्पताल में भर्ती हैं।

गली में सर्प दंष अधेड़ ने दम तोड़ा

जौनपुर। जलालपुर क्षेत्र के राजेपुर गांव निवासी एक अधेड़ व्यक्ति को सोमवार की सुबह सर्प ने काट लिया।वह शौच करके घर लौट रहे थे।जिला अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गयी। गांव निवासी 46 वर्षीय जवाहरलाल निषाद घर से सुबह गोमती नदी के तट पर शौच करने गए थे।शौच करने के बाद वह घर लौट रहे थे। रास्ते में दो मकान के बीच में संकरी गली से गुजर ही रहे थे कि उसी समय हवलदार निषाद के घर के पास जहरीले सर्प ने काट लिया।परिजन आनन-फानन में उन्हें जिला चिकित्सालय लिवा गए।जहां उपचार के दौरान मौत हो गयी। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतक के पास एक पुत्री ही है।

बन्दर के हमले में दो महिलायें घायल

जौनपुर। जलालपुर के हौज गांव में ब्रह्मबाबा मंदिर पर सोमवार को बदर ने हमलाकर दो महिला श्रद्धालुओं को घायल कर दिया। वाराणसी- लखनऊ राजमार्ग पर सिरकोनी ब्लॉक के प्रांगण से लगा हुआ ब्रह्मबाबा मंदिर स्थापित है।इस मंदिर पर आसपास के दर्जनों गांवों के लोग दर्शन-पूजन तथा कड़ाही चढ़ाने आते सोमवार को बहराम मानकर श्रद्धालुओं की संख्या अन्य दिनों के अपेक्षा काफी बढ़ जाती है।सोमवार को मठिया सादीपुर फो महिलाओं उर्मिला व शांति देवी कड़ाही चढ़ाने आयी थी।उसी दौरान एक बंदर ने आकर दोनो पर हमला करके घायल कर दिया।अन्य श्रद्धालुओं के शोर मचाने पर बंदर भाग गया। बताया गया कि डेढ़ महीने से यहां पर एक से डेढ़ दर्जन बंदर कही से आ गए है।जिनमे कुछ काफी खतरनाक है।टोलप्लाजा होने के कारण काफी टूरिस्ट की बस व अन्य वाहन रुकते है।कई यात्रियों को भी इन बंदरों ने काट लिया है।

अदालत से राहत के बाद 'सियासत' का केंद्र बनेंगे बृजभूषण, तीन साल के राजनीतिक वनवास के बाद बदले समीकरण

आर्यावर्त संवाददाता

गोंडा। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से महिला पहलवानों से जुड़े कथित यौन शोषण मामले में बरी होने के बाद कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह की राजनीति एक बार फिर चर्चा के केंद्र में आ गई है। अदालत के फैसले ने केवल उन्हें कानूनी राहत नहीं दी है, बल्कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में उनकी संभावित भूमिका को लेकर नई बहस भी शुरू कर दी है। देवीपाटन मंडल से लेकर लखनऊ और दिल्ली तक अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या भाजपा बृजभूषण शरण सिंह को फिर सक्रिय राजनीतिक भूमिका देगी या उनकी राजनीतिक विरासत फिलहाल उनके परिवार के माध्यम से ही आगे बढ़ेगी।

करीब साढ़े तीन वर्ष पहले महिला पहलवानों के आरोप सामने आने के बाद बृजभूषण शरण सिंह

भाजपा के लिए असहज स्थिति का कारण बने थे। 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी ने कैसरगंज से उनका टिकट काटकर बेटे करण भूषण सिंह को उम्मीदवार बनाया।

यह फैसला स्पष्ट संकेत था कि पार्टी कानूनी विवाद के बीच कोई राजनीतिक जोखिम नहीं लेना चाहती। हालांकि दूसरी ओर भाजपा ने परिवार का राजनीतिक प्रतिनिधित्व भी बरकरार रखा। करण भूषण सिंह की जीत ने यह भी साबित किया कि क्षेत्र में बृजभूषण का प्रभाव और संगठनात्मक पकड़ कमजोर नहीं हुई थी। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि टिकट कटने के बाद भी बृजभूषण शरण सिंह ने खुद को राजनीति से अलग नहीं किया। वह लगातार क्षेत्र में सक्रिय रहे। देवीपाटन मंडल के चारों जिलों में उनके कार्यक्रम होते रहे, समर्थकों से संवाद जारी रहा और सामाजिक-धार्मिक आयोजनों में उनकी मौजूदगी बनी रही। यही वजह है कि अदालत के फैसले के बाद विश्नोहरपुर स्थित आवास व कार्यालय पर जिस तरह समर्थक जुटे, उसे केवल कानूनी राहत का जश्न नहीं बल्कि राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में भी देखा जा रहा है।

बृजभूषण शरण सिंह स्वयं भी कई बार सार्वजनिक मंचों से यह कह चुके हैं कि ₹मैं एक बार फिर संसद जरूर जाऊंगा।₹ उस समय इसे समर्थकों का मनोबल बनाए रखने वाला बयान माना गया था, लेकिन अब अदालत के फैसले के बाद उसी बयान के राजनीतिक मायने बदल गए हैं। समर्थकों का मानना है कि कानूनी बाधा समाप्त होने के बाद उनके सामने राजनीतिक संभावनाएं फिर खुल सकती हैं। हालांकि भाजपा के सामने स्थिति पहले जैसी सरल भी नहीं है। पार्टी किसी भी बड़े फैसले में केवल कानूनी पहलू नहीं देखती, बल्कि राष्ट्रीय छवि, सामाजिक संदेश, संगठनात्मक जरूरत और चुनावी समीकरणों को भी समान महत्व देती है। इसलिए अदालत से बरी होने के बावजूद बृजभूषण शरण सिंह की वापसी का फैसला पूरी तरह भाजपा नेतृत्व की राजनीतिक रणनीति पर निर्भर करेगा। फिलहाल राजनीतिक गलियारों में दो संभावनाओं पर सबसे अधिक चर्चा है। पहली, वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में बृजभूषण शरण सिंह को पूर्वांचल और देवीपाटन मंडल में संगठनात्मक जिम्मेदारी देकर चुनावी अभियान में बड़ी भूमिका दी जा सकती है। दूसरी, यदि राजनीतिक परिस्थितियां अनुकूल रहीं तो वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव में उनकी सक्रिय चुनावी वापसी की संभावनाओं से भी इनकार नहीं किया जा रहा। हालांकि इन दोनों संभावनाओं पर अभी भाजपा की ओर से कोई संकेत नहीं मिला है।

राजनीतिक दृष्टि से बृजभूषण शरण सिंह की सबसे बड़ी ताकत उनका क्षेत्रीय नेटवर्क माना जाता है। गोंडा, बलरामपुर, बहराइच और श्रावस्ती में वर्षों से उन्होंने अपना मजबूत संगठनात्मक और व्यक्तिगत आधार तैयार किया है। उनके समर्थकों की सक्रियता और परिवार की राजनीतिक मौजूदगी आज भी इस प्रभाव को बनाए हुए है। गोंडा से विधायक प्रतीक भूषण सिंह और कैसरगंज से सांसद करण भूषण सिंह के कारण परिवार का राजनीतिक आधार कायम है।

अदालत के फैसले ने एक लंबा कानूनी अध्याय जरूर समाप्त कर दिया है, लेकिन राजनीतिक अध्याय अभी खुलना बाकी है। अब सबकी निगाहें भाजपा नेतृत्व पर हैं। आने वाले महीनों में यदि पार्टी बृजभूषण शरण सिंह को फिर किसी बड़ी भूमिका में सामने लाती है तो यह उनकी राजनीतिक वापसी का संकेत होगा। यदि ऐसा नहीं होता तो उनकी भूमिका क्षेत्रीय नेतृत्व और परिवार तक सीमित भी रह सकती है।

कब्ज की परेशानी होगी दूर, डाइट में शामिल करें ये हेल्दी फूड्स

कई लोगों को अक्सर कब्ज की परेशानी रहती है। ऐसे में इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज करने के बजाय खानपान पर ध्यान देना जरूरी है। आइए जानते हैं कब्ज से राहत पाने के लिए डाइट में किन हेल्दी फूड्स को शामिल करना चाहिए।

आज के समय में कई लोग कब्ज की समस्या से परेशान रहते हैं। कब्ज एक ऐसी स्थिति है, जिसमें मल त्याग करने में कठिनाई होती है, पेट पूरी तरह साफ नहीं हो पाता या मल सख्त हो जाता है। इसकी वजह कम फाइबर वाला खाना, कम पानी पीना, लंबे समय तक बैठे रहना और खराब खानपान की आदतें हो सकती हैं। कई लोग इसे छोटी समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन लंबे समय तक कब्ज रहने से बवासीर, एनल फिशर और मल के सख्त होकर आंत में फंस जाने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए समय रहते इस पर ध्यान देना जरूरी है।

कब्ज की समस्या में खानपान का खास ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। सही डाइट और अच्छी आदतें अपनाकर इस परेशानी से काफी हद तक राहत पाई जा सकती है। खासकर फाइबर से भरपूर चीजें और पर्याप्त पानी पाचन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। आइए जानते हैं कब्ज से राहत पाने के लिए डाइट में किन हेल्दी फूड्स को शामिल करना चाहिए, किन चीजों से बचना चाहिए और कब डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

कब्ज से राहत पाने के लिए डाइट में शामिल करें ये हेल्दी फूड्स

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डायबिटीज एंड डाइजेस्टिव एंड किडनी डिजीज (NIDDK) के अनुसार, कब्ज में फाइबर से भरपूर चीजें खाना फायदेमंद हो सकता है। साबुत अनाज, जैसे ओट्स, ब्राउन राइस और होल व्हीट आटा, फाइबर से भरपूर होते हैं, जो मल को नरम बनाने में मदद करते हैं। सेब, नाशपाती, कीवी और बेरी जैसे फलों में फाइबर और पानी अच्छी मात्रा में होता है, जिससे मल को आसानी से निकलने में मदद मिल सकती है।

पालक और दूसरी हरी पत्तेदार सब्जियां भी पाचन के लिए अच्छी मानी जाती हैं। बीन्स, राजमा, चना और दालें फाइबर के साथ प्रोटीन भी देती हैं, जिससे पाचन बेहतर रहता है। बादाम, अलसी और चिया सीड्स जैसे सूखे मेवे और बीज भी फाइबर से भरपूर होते हैं। इन चीजों के साथ पर्याप्त पानी पीना भी जरूरी है, क्योंकि पानी और फाइबर मिलकर मल को आसानी से बाहर निकलने में मदद करते हैं।

कब्ज में कौन-सी चीजें खाने से बचना चाहिए?

कब्ज की समस्या होने पर ऐसी चीजें कम खानी चाहिए जिनमें फाइबर की मात्रा कम हो। सफेद ब्रेड, मैदा से बनी चीजें, केक, पेस्ट्री, बिस्किट और ज्यादा प्रोसेस्ड फूड पाचन को प्रभावित कर सकते हैं। बहुत ज्यादा तली-भुनी और फास्ट फूड वाली चीजें भी कब्ज की परेशानी बढ़ा सकती हैं।

अगर आप फाइबर बढ़ा रहे हैं, तो साथ में पर्याप्त पानी भी पिएं, क्योंकि बिना पानी के ज्यादा फाइबर कुछ लोगों में कब्ज को और बढ़ा सकता है। अपनी डाइट में संतुलन बनाए रखना जरूरी है।

कब डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है?

अगर कब्ज कई हफ्तों तक बनी रहे, मल त्याग के दौरान तेज दर्द हो, मल में खून दिखाई दे, बिना कोशिश के वजन कम होने लगे या लगातार पेट दर्द और उल्टी की शिकायत हो, तो डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

इसके अलावा, अगर घरेलू उपाय और खानपान में बदलाव के बाद भी राहत न मिले, तो जांच कराना जरूरी है। समय पर इलाज कराने से कब्ज की वजह का पता लगाया जा सकता है और सही ट्रिटमेंट शुरू किया जा सकता है।

रात में कितने बजे खोल सकते हैं ट्रेन की मिडिल बर्थ? सफर में नहीं चाहते विवाद, तो समझ लें रेलवे का नियम

लाइफस्टाइल डेस्क, नई दिल्ली। हम सभी ट्रेन में सफर करते समय यही चाहते हैं कि हमें नीचे वाली सीट मिल जाए। आखिर खिड़की के बाहर के नजारे देखते हुए आराम से सफर करने का मजा ही कुछ और होता है।

वैसे रेलवे की हमेशा यही कोशिश रहती है कि लोअर बर्थ बुजुर्गों को दी जाए, क्योंकि उनके लिए ऊपर की सीट पर चढ़ना काफी मुश्किल होता है। इन सबके बीच, ट्रेन में यात्रियों के बीच सबसे ज्यादा बहस और विवाद जिस बात पर होता है, वह है 'मिडिल बर्थ'।

दिन में मिडिल बर्थ खोलने से होती है दिक्कत

कई बार ऐसा होता है कि कुछ यात्री दिन के समय ही अपनी मिडिल बर्थ खोल लेते हैं। ऐसा करने से लोअर बर्थ वाले यात्रियों को सीधे बैठने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या को सुलझाने और यात्रियों का सफर आरामदायक बनाने के लिए रेलवे ने मिडिल बर्थ से जुड़े कुछ बेहद जरूरी नियम बनाए हैं।

क्या है मिडिल बर्थ खोलने का सही समय?

भारतीय रेलवे के नियमों के मुताबिक, आप मिडिल बर्थ को सिर्फ रात में सोने के लिए ही खोल सकते हैं। इसके लिए बकायदा एक समय तय किया गया है। नियम के अनुसार, यात्रियों को रात 10 बजे से लेकर सुबह 6 बजे तक ही मिडिल बर्थ खोलने की अनुमति है।

सुबह 6 बजे के बाद और रात 10 बजे से पहले मिडिल बर्थ को फोल्ड करके रखना होता है। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि लोअर बर्थ वाले यात्री दिन में आराम से बैठ सकें। हालांकि, अगर अन्य सहयात्री सहमत हों, तो बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को दिन के समय भी मिडिल बर्थ इस्तेमाल करने की छूट दी जा सकती है।

क्या नियम तोड़ने पर लगता है जुर्माना?

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर कोई यात्री दिन में मिडिल बर्थ खोलता है, तो क्या उस पर कोई जुर्माना लगता है? जानकारी के लिए बता दें कि दिन में मिडिल बर्थ खोलने पर किसी भी तरह के जुर्माने या सख्त कार्रवाई का कोई प्रावधान नहीं है।

लेकिन, यह बात पूरी तरह सच है कि दिन में सीट खोलना रेलवे के तय नियमों के खिलाफ है। ऐसे में, अगर आपके मिडिल बर्थ खोलने से लोअर बर्थ वाले यात्री को कोई परेशानी होती है या वह इस पर आपत्ति जताता है, तो आपको अपनी मिडिल बर्थ हर हाल में बंद करनी पड़ेगी।

अगर कोई यात्री बात न माने तो क्या करें?

सफर के दौरान कई बार ऐसा भी होता है कि आपके प्यार से अनुरोध करने के बाद भी सामने वाला यात्री मिडिल बर्थ बंद करने से मना कर देता है और नियमों का पालन नहीं करता। ऐसे हालात में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप सीधे ट्रेन में मौजूद टीटीई से उस यात्री की शिकायत कर सकते हैं। इसके अलावा, आप रेलवे के आधिकारिक हेल्पलाइन नंबर '139' पर संपर्क करके भी तुरंत मदद मांग सकते हैं।

गिंगम प्रिंट वाली स्कर्ट फिर चलन में आईं, जानिए स्टाइल करने के 5 सुझाव

गिंगम प्रिंट एक ऐसा कपड़ा है, जो हमेशा से ही फैशन में रहा है। यह प्रिंट अपनी खास डिजाइन और रंगों के कारण महिलाओं के बीच काफी लोकप्रिय है। गिंगम प्रिंट की स्कर्ट को पहनकर आप न केवल आरामदायक महसूस करेंगी, बल्कि स्टाइलिश भी नजर आएंगे। आइए आज हम आपको गिंगम प्रिंट की स्कर्ट को अलग-अलग तरीकों से पहनने के कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताते हैं, जो आपके लुक को खास बना देगा।

टी-शर्ट के साथ करें मेल

गिंगम प्रिंट की स्कर्ट को टी-शर्ट के साथ पहनना एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। आप अपनी पसंदीदा रंग की टी-शर्ट को गिंगम प्रिंट की स्कर्ट के साथ पहन सकती हैं।

यह मेल न केवल आपको आरामदायक महसूस कराएगा, बल्कि आपको एक स्मार्ट लुक भी देगा। अगर आपकी स्कर्ट हल्के रंग की है तो गहरे रंग की टी-शर्ट चुनें और इसके विपरीत भी।

इससे आपका लुक और भी खास लगेगा।

जैकेट के साथ बनाएं स्टाइलिश लुक

अगर आप अपने गिंगम प्रिंट की स्कर्ट को थोड़ा औपचारिक टच देना चाहती हैं तो उसके ऊपर एक अच्छी फिटिंग वाली जैकेट पहन सकती हैं।

यह मेल ऑफिस मीटिंग या किसी विशेष अवसर पर जाने के लिए सही है। जैकेट आपके लुक को पेशेवर और आकर्षक बनाएगी, जिससे आप हर जगह अलग दिखेंगी।

इसके साथ एक साधारण ब्लाउज या शर्ट पहनें और हल्के गहनों का उपयोग करें. ताकि आपका लुक संतुलित और मनोहर लगे।

स्नीकर्स के साथ बनाएं रोजमर्रा का लुक

गिंगम प्रिंट की स्कर्ट को स्नीकर्स के साथ पहनना एक रोजमर्रा और आरामदायक तरीका हो सकता है। यह लुक खासकर तब अच्छा लगता है जब आप किसी शॉपिंग या दोस्तों के साथ बाहर घूमने जा रही हों।

इसके अलावा यह आपके रोजमर्रा के कामों में भी सहायक रहेगा। स्नीकर्स के साथ गिंगम प्रिंट की स्कर्ट पहनकर आप न केवल आरामदायक महसूस करेंगी, बल्कि स्टाइलिश भी दिखेंगी।

इसके साथ आप हील भी पहन सकती हैं।

बेल्ट लगाएं

अगर आपकी गिंगम प्रिंट की स्कर्ट ढीली है तो उसमें बेल्ट लगाकर उसे स्टाइलिश बनाया जा सकता है। बेल्ट आपकी कमर को हाइलाइट करेगी और लुक को खास बनाएगी।

इसके अलावा यह आपके पूरे लुक को एक नया आयाम देगा। बेल्ट चुनते समय ध्यान रखें कि वह आपकी स्कर्ट के रंग या प्रिंट से मेल खाती हो, ताकि आपका लुक संतुलित और मनोहर लगे।

इस तरह आप आसानी से अपने गिंगम प्रिंट की स्कर्ट को नया अंदाज दे सकती हैं।

बूट्स के साथ बनाएं सर्दियों वाला लुक

सर्दियों में गिंगम प्रिंट वाली स्कर्ट के साथ बूट्स पहनना एक बेहतरीन तरीका हो सकता है, जिससे लंबाई भी बढ़ सकती है।

ऊंची हील वाले बूट्स आपके लुक को और भी खास बनाएंगे और आपको ठंड से भी बचाएंगे। इसके अलावा आप इस मेल को किसी पार्टी या खास मौके पर भी पहन सकती हैं।

बूट्स और गिंगम प्रिंट की स्कर्ट का यह मेल आपको स्टाइलिश और आरामदायक दोनों महसूस कराएगा।

महंगाई की मार : टूथपेस्ट से लेकर पेंट तक महंगे होंगे रोजमर्रा के सामान! त्योहारों से पहले बढ़ेंगी कीमतें

त्योहारी सीजन से पहले आम लोगों की जेब पर महंगाई का एक और असर देखने को मिल सकता है। देश की कई बड़ी कंज्यूमर कंपनियां रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले सामान की कीमतें बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। कच्चे माल और ऊर्जा लागत में तेजी के चलते टूथपेस्ट, डिटर्जेंट, पेंट, टायर और अन्य सामान महंगे हो सकते हैं। इससे आने वाले महीनों में घरेलू खर्च और बढ़ने की आशंका है।

महंगे होंगे रोजमर्रा के कई सामान

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, देश की सबसे बड़ी कंज्यूमर कंपनियां एक बार फिर कीमतें बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक हिंदुस्तान यूनिलीवर, डोडला डेयरी और एशियन पेंट्स समेत कम से कम सात कंपनियों ने अपने तिमाही नतीजों के बाद निवेशकों से बातचीत और मीडिया ब्रीफिंग में कीमतें बढ़ाने के संकेत दिए हैं। हिंदुस्तान यूनिलीवर के मुख्य वित्त अधिकारी निरंजन गुप्ता ने कहा कि कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों की लागत में लगातार तेजी बनी हुई है। इसी वजह से डिटर्जेंट और डिशवॉशिंग बार जैसे होम केयर उत्पादों में चरणबद्ध तरीके से कीमतें बढ़ाई जाएंगी।

ऊर्जा लागत और महंगाई बना रही दबाव

रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से जारी तनाव के कारण ऊर्जा और कच्चे माल की कीमतों में तेजी आई है। इसका असर कंपनियों की उत्पादन और लॉजिस्टिक लागत पर भी पड़ा है। इसी दबाव के चलते हैवेल्स इंडिया अपने उत्पादों की कीमतें 8 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है। वहीं टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के नमक की कीमत भी करीब 7 प्रतिशत बढ़ चुकी है। वित्त मंत्रालय ने भी कहा है कि अब महंगाई का दबाव सिर्फ खाद्य वस्तुओं तक सीमित नहीं है, बल्कि ईंधन और मौसम की वजह से दूसरे उपभोक्ता उत्पाद भी प्रभावित हो रहे हैं।

त्योहारी सीजन और आरबीआई की नजर

अगस्त से नवंबर तक का समय भारत में त्योहारी सीजन माना जाता है और इसी दौरान कई कंपनियों की सालाना बिक्री का करीब एक तिहाई हिस्सा आता है। ऐसे में कंपनियों को उम्मीद है कि मजबूत मांग के कारण वे बढ़ी हुई लागत का बोझ ग्राहकों तक पहुंचा सकेंगी। भारतीय रिजर्व बैंक का महंगाई लक्ष्य 4 प्रतिशत है, लेकिन जून में खुदरा महंगाई करीब डेढ़ साल बाद इस स्तर से ऊपर पहुंच गई। आरबीआई का अनुमान है कि मार्च 2027 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में औसत महंगाई 5।1 प्रतिशत रह सकती है। केंद्रीय बैंक ने फिलहाल ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है और 3 से 5 अगस्त के बीच होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक के फैसले पर सभी की नजर रहेगी।

मांग बनी हुई है मजबूत, लेकिन कंपनियों की नजर बाजार पर

रिपोर्ट के अनुसार, अब तक ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की मांग स्थिर बनी हुई है। रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सर्वे के मुताबिक जून में खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 6 प्रतिशत बढ़ी, जो मई के मुकाबले बेहतर रही। हालांकि कंपनियां अब यह भी देख रही हैं कि कीमतें बढ़ने के बाद ग्राहकों की खरीदारी पर कितना असर पड़ता है। साथ ही मानसून और पश्चिम एशिया की भू राजनीतिक स्थिति आने वाले समय में महंगाई की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकती है।

ट्रेन में ज्यादा सामान ले जाना हुआ आसान! कंफर्म टिकट पर ऑनलाइन लगेज बुकिंग की सुविधा शुरू

31 जुलाई से कंफर्म ट्रेन टिकट वाले पैसेंजर्स के लिए इंडियन रेलवे की ऑनलाइन सामान बुकिंग सुविधा उपलब्ध होगी। इस नई सुविधा का असल मकसद लगेज बुकिंग को ज्यादा सुविधाजनक और आसान बनाना है। आइए आपको बताते हैं आखिर इसको लेकर किस तरह की अपडेट इंडिसन रेलवे सामने लेकर आया है।

रेलवे लगेज ले जाने के नियमों को आसान और सुविधाजनक बना रहा है।

कोई भी कमर्शियल सामान को पर्सनल लगेज के तौर पर बुकिंग नहीं कर सकेगा। इंडियन रेलवे 31 जुलाई से कंफर्म ट्रेन टिकट वाले पैसेंजर्स के लिए पर्सनल लगेज (निजी सामान) की ऑनलाइन बुकिंग शुरू करने जा रहा है। इस नई सुविधा का मकसद लगेज बुकिंग को ज्यादा सुविधाजनक बनाना और पार्सल बुकिंग के प्रोसेस को आसान बनाना है। 20 जुलाई, 2026 के एक पत्र में, रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे को निर्देश दिया कि वे कंफर्म टिकट पर यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए तय वजन सीमा तक पर्सनल लगेज की ऑनलाइन बुकिंग लागू करें। इस सुविधा से यात्री उस सामान की बुकिंग कर सकेंगे जिसे वे रिजर्व्ड डिब्बों में अपने साथ ले जाते हैं।

इसमें कहा गया है कि ऊपर बताए गए इस ऑफिस के 7 मार्च 2025 के लेटर (Ref। 1) के तहत, सैद्धांतिक रूप से यह तय किया गया था कि केवल कंफर्म टिकट पर रिजर्व्ड डिब्बे में यात्री के साथ ले जाए जाने वाले पर्सनल लगेज की अधिकतम तय वजन सीमा तक ऑनलाइन बुकिंग लागू की जाए। इसे ध्यान में रखते हुए, 31 जुलाई 2026 से लगेज की ऑनलाइन बुकिंग लागू करने का निर्णय लिया गया है।

इंडियन रेलवे लगेज बुकिंग

सभी जोनल रेलवे को भेजे गए 7 मार्च, 2025 के एक पत्र में, रेलवे बोर्ड (RB) ने कहा कि AC 3-टियर (3AC), AC 3 इकोनॉमी (3E) और AC चेयर कार (CC) के लिए फ्री लगेज अलाउंस और अधिकतम स्वीकार्य अलाउंस एक ही हैं। इन क्लास में अतिरिक्त लगेज की बुकिंग की अनुमति नहीं होगी, सिवाय उन मामलों के जहां फ्री लगेज अलाउंस पर ही शुल्क लगता हो। निर्देश में कहा गया है कि लगेज बुकिंग से जुड़ी अन्य सभी शर्तों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। ऑनलाइन बुकिंग की प्रक्रिया के दौरान प्रतिबंधित वस्तुओं की सूची (जिन्हें लगेज के तौर पर बुक नहीं किया जा सकता), क्लास-वार फ्री अलाउंस, डिब्बे के अंदर बुक किए जा सकने वाले अधिकतम वजन की सीमा, और डिब्बे के अंदर तय सीमा से ज्यादर लगेज ले जाने पर जुर्माने के प्रावधान आदि की जानकारी दिखाई जाएगी।

भारतीय रेलवे में सामान के वन की सीमा

रेलवे बोर्ड के फ्रेट मार्केटिंग सर्कुलर नंबर 38 (2006) के अनुसार, प्रति यात्री फ्री सामान की सीमा इस प्रकार है: फर्स्ट AC में 70 किलोग्राम, फर्स्ट क्लास और सेकंड AC में 50 किलोग्राम, थर्ड AC (3AC), AC चेयर कार (CC) और स्लीपर क्लास में 40 किलोग्राम, और सेकंड क्लास में 35 किलोग्राम। हालांकि, यात्री मुफ्त सीमा से ज्यादा सामान रिजर्व्ड डिब्बे में ले जा सकते हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें तय नियमों के अनुसार अधिकतम सीमा तक लागू सामान दर का 1।5 गुना शुल्क देना होगा।

भारतीय रेलवे के सामान से जुड़े नियम

नियमों के अनुसार, 100 सेमी × 60 सेमी × 25 सेमी (लंबाई × चौड़ाई × ऊंचाई) के बाहरी माप वाले ट्रंक, सूटकेस और बक्सों को यात्री डिब्बों में निजी सामान के तौर पर ले जाने की अनुमति है। सर्कुलर में कहा गया है कि अगर ट्रंक, सूटकेस और बक्सों का बाहरी माप इनमें से किसी भी डाइमेंशन (लंबाई, चौड़ाई या ऊंचाई) से ज्यादा है, तो ऐसे सामान को ब्रेक-वैन में बुक करके ले जाना होगा, न कि यात्री डिब्बों में। व्यावसायिक माल को यात्री डिब्बे में निजी सामान के तौर पर बुक करने या ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

भूकंप से दहला मिस्र, म्यांमार में भी डोली धरती

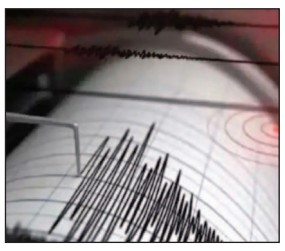

मिस्र, एजेंसी। मिस्र के पास सुबह तड़के 5।4 तीव्रता का भूकंप आया। आस-पास के इलाके हिल गए और जोर से कंपन हुआ। ये भूकंप 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। म्यांमार में भी भूकंप के झटके महसूस हुए, इसकी तीव्रता 3।3 रही। मिस्र के अधिकारियों ने बाद में बताया कि भूकंप का केंद्र स्वेज शहर से 38 किलोमीटर दूर था। पहले जर्मन रिसर्च सेंटर ने इसे स्वेज के पास बताया था, जबकि EMSC ने स्वेज से करीब 29 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में बताया। मिस्र के रेड क्रिसेंट ने उन इलाकों में आपातकालीन प्लान सक्रिय कर दिया जहां झटके महसूस हुए।अभी तक किसी के घायल होने या नुकसान की कोई खबर नहीं है।

रेड क्रिसेंट ने निवासियों से अपील की कि वे नुकसान के संकेत वाली इमारतों से दूर रहें और आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करें, क्योंकि अधिकारी स्थिति का आकलन कर रहे हैं।

मिस्र के स्वास्थ्य मंत्री खालिद अब्देल गफ्फार ने पूरे देश में इमरजेंसी रिस्पॉन्स प्लान लागू करने का आदेश दिया और एम्बुलेंस सेवाओं को "पूरी तरह तैयार" रहने का निर्देश दिया। मिस्र और व्यापक पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र भूकंप की दृष्टि से सक्रिय क्षेत्र में स्थित हैं। इस तीव्रता के भूकंप समय-समय पर इस इलाके में आते रहते हैं, हालांकि इनसे आमतौर पर बहुत कम या कोई नुकसान नहीं होता है। इसकी और जानकारी के लिए अधिकारी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

म्यांमार में भी आया भूकंप

म्यांमार में भी 3 अगस्त को सुबह-सवेरे भूकंप के हल्के झटके महसूस हुए। इसकी तीव्रता 3।3 रही। ये भूकंप भूकंप 105 किलोमीटर की गहराई पर आया। यहां पर किसी तरह के कोई नुकसान की सूचना नहीं है। पूर्वोत्तर अफ्रीका के इस देश में जबरदस्त भूकंप कम ही आते हैं। आधुनिक इतिहास में देश का सबसे घातक भूकंप अक्टूबर 1992 में आया था, जब 5।8 तीव्रता के भूकंप ने राजधानी को हिला दिया था। इसमें 500 से ज्यादा लोगों की मौत हुई और हजारों लोग बेघर हो गए।

ट्रंप ने रोका युद्ध! आज से शुरू होगी US-ईरान की बातचीत, होर्मुज और परमाणु डील पर उम्मीद

तेल अवीव, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को ईरान के साथ शुरू होने वाली बातचीत के बारे में जानकारी दी। उन्होंने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि चर्चा के रास्ते पहले से खुले हुए हैं और बातचीत आज दोपहर से यानी 3 अगस्त से शुरू होगी। उन्होंने कहा हम देखेंगे कि ये कैसी रहती है? मैं सच कहूं तो, इससे बहुत सारी जानें बचेंगी और बहुत सारी बेकार की ताकत का इस्तेमाल नहीं होगा। हम जब चाहें तब आगे बढ़ने को तैयार हैं। वे युद्ध या हिंसा नहीं चाहते, क्योंकि उसमें बहुत सारे लोग मर जाते हैं। वे समझौता (डील) करना पसंद करेंगे। उन्होंने बताया कि ईरान और कुछ अन्य देशों ने खुद अमेरिका से बातचीत शुरू करने को कहा है, इसलिए वे बातचीत के लिए तैयार हैं।

ट्रंप ने बातचीत में बताया कि सऊदी अरब, यूएई, कतर और ईरान के साथ हुई बातचीत के कारण ही उन्होंने शुक्रवार को होने वाले "बड़े हमले" को रोक दिया। ट्रंप ने ये भी संकेत दिया कि होर्मुज स्ट्रेट (Strait of Hormuz) के प्रबंधन को लेकर कोई समझौता हो सकता है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि ईरान के परमाणु-निरस्त्रीकरण (denu-clearisation) को लेकर भी एक समझौता किया जाएगा।

होर्मुज स्ट्रेट पर बातचीत बनाने पर जोर

कूटनीति की तरफ ये अचानक रुख ऐसे समय में आया है जब मध्यस्थ अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत का रास्ता फिर से खोलने की कोशिश कर रहे हैं। रविवार को इजरायली मीडिया ने बताया कि क्षेत्रीय मध्यस्थ पिछले महीने हुए समझौते को फिर से लागू करना चाहते हैं, ताकि महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता 60 दिन तक खुला रहे। साथ ही इस रास्ते पर आवाजाही के लिए किसी तरह की कोई फीस न लगे। इसी तरह, ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा कि समुद्री रास्ते के चलाने को लेकर ईरान और ओमान के बीच बातचीत भी आखिरी स्टेज तक पहुंच चुकी है।

पहले टूट चुका है समझौता

शुरुआती समझौता पहले ही टूट गया था। ट्रंप का कहना था कि रास्ता हमेशा खुला रहेगा। तेहरान का मानना था कि उस रास्ते पर उनका पूरा अधिकार बना रहेगा। इस हफ्ते पर्दे के पीछे की बातचीत ने युद्ध रोकने में बड़ी मदद की। कतर के अधिकारियों ने ईरान, अमेरिका और ओमान से बात की। उन्होंने शनिवार को ट्रंप को बताया कि ईरान ने स्ट्रेट वाला प्रस्ताव मान लिया है। सऊदी प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने भी ट्रंप से फोन पर बात की और सैन्य कार्रवाई न करने को कहा। इन बातों के बाद ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा कि वो हमले रोक रहे हैं। उन्होंने शिपिंग मार्ग और परमाणु मुद्दे में प्रगति का हवाला दिया। यहां रविवार रात कोई हमला नहीं हुआ। वहीं ईरानी सैन्य नेताओं ने ट्रंप के दावे को झूठ बताया। तेहरान के एक सूत्र ने कहा कि स्ट्रेट पर अभी तक कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ है।

ढाका से चटगांव तक मिले 103 विस्फोटक... बांग्लादेश की गली-गली में बम क्यों मिल रहे हैं?

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में एक बार फिर सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। देशभर में संभावित बम हमले की आशंका के बाद पुलिस ने सभी इकाइयों को सतर्क रहने का निर्देश दिया है। पुलिस का कहना है कि कुछ खुफिया सूचनाओं के आधार पर यह आशंका जताई गई है कि पुलिसकर्मियों और पुलिस प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिश की जा सकती है। इसी वजह से पूरे देश में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

संवेदनशील इलाकों, सरकारी संस्थानों, प्रमुख सड़कों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को पहले ही रोका जा सके। पुलिस अधिकारियों को संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और जरूरत पड़ने पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इस अलर्ट के बाद आम लोगों से भी अपील की गई है कि वो किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, सामान या गतिविधि की जानकारी

तुरंत पुलिस को दें और अफवाहों पर ध्यान न दें।

अधिकारियों का कहना है कि यह कदम एहतियात के तौर पर उठाया गया है ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके। पुलिस ने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना केवल प्रशासन ही नहीं, बल्कि नागरिकों की भी जिम्मेदारी है।

बम और बम जैसी वस्तुएं बरामद हुई हैं

बांग्लादेश में पिछले कुछ दिनों से अलग-अलग जगहों पर बम और बम जैसी वस्तुएं मिलने की घटनाओं ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। ढाका के अशुलिया में रिमोट कंट्रोल से लैस आईईडी जैसा बम मिला, जबकि 24 जुलाई को मोतीझील मेट्रो स्टेशन के नीचे टाइमर लगा पाइप बम बरामद हुआ था। सीटीटीसी इन मामलों की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश में जुटी है कि इनके पीछे कौन है। वहीं फार्मगेट और मीरपुर-10 मेट्रो स्टेशनों पर मिली संदिग्ध वस्तुएं जांच में बम नहीं निकलीं।

राजनीतिक पृष्ठभूमि से जुड़ा अलर्ट

बांग्लादेश पुलिस का यह हाई अलर्ट ऐसे समय जारी किया गया है, जब पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार हटने की दूसरी वर्षगांठ नजदीक है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, खुफिया एजेंसियों ने आशंका जताई है कि इस दौरान पुलिस और कानून-व्यवस्था से जुड़े प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जा सकता है। इसी इनपुट के आधार पर देशभर की पुलिस इकाइयों को अतिरिक्त सतर्क रहने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं।

पूरे देश में बढ़ाई गई निगरानी

पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने, लेकिन अफवाहों से बचने और घबराने की जरूरत नहीं होने की अपील की है। यह अलर्ट ऐसे समय जारी किया गया है जब देश में राजनीतिक माहौल भी संवेदनशील बना हुआ है। पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों की पुलिस, महानगर पुलिस और अन्य सुरक्षा इकाइयों को सतर्क रहने का निर्देश दिया है। प्रमुख सरकारी भवनों, पुलिस कार्यालयों, सार्वजनिक स्थानों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। नियमित गश्त के साथ-साथ संदिग्ध वाहनों और लोगों की जांच भी तेज कर दी गई है।

पुलिसकर्मियों को दिए गए विशेष निर्देश

रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस अधिकारियों और जवानों को ड्यूटी के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतने को कहा गया है। पुलिस वाहनों की आवाजाही पर नजर रखने, सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल करने और किसी भी संदिग्ध सूचना पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों से कहा गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था की लगातार समीक्षा करें।

आम लोगों से भी सहयोग की अपील

पुलिस ने नागरिकों से कहा है कि यदि उन्हें कोई लावारिस वस्तु, संदिग्ध व्यक्ति या असामान्य गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दें। साथ ही सोशल मीडिया पर फैलने वाली अपुष्ट खबरों और अफवाहों से बचने की भी अपील की गई है, ताकि अनावश्यक दहशत न फैले। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि खुफिया सूचनाओं पर लगातार नजर रखी जा रही है और हालात के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव किया जाएगा।

अब तक कितने बम मिले हैं?

जनवरी 2026 से अब तक बांग्लादेश में कम से कम 103 असली बम और आईईडी बरामद किए जा चुके हैं। इनमें सबसे बड़ी बरामदगी 2 फरवरी को शरियतपुर जिले में हुई, जहां संयुक्त बलों ने 95 देसी (क्रूड) बम बरामद किए थे। इसके बाद 8 मार्च को ढाका स्थित सुप्रीम कोर्ट के जजों के एंट्री गेट के पास 6 क्रूड बम मिले, जिन्हें बम निरोधक दस्ते ने सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया।

वहीं 24 जुलाई को ढाका के मोतीझील मेट्रो स्टेशन के नीचे एक पाइप बम (IED) मिला, जबकि जुलाई के आखिर में अशुलिया इलाके से एक प्रेशर कुकर IED बरामद किया गया। इसके अलावा फार्मगेट और मीरपुर-10 मेट्रो स्टेशनों पर दो संदिग्ध बम जैसी वस्तुएं भी मिली थीं, लेकिन जांच में वे बम नहीं निकलीं। इस तरह जनवरी 2026 से अब तक बांग्लादेश में 103 असली बम और आईईडी मिलने के मामले सामने आए हैं।

किन जगहों पर बढ़ाई गई निगरानी?

हाई अलर्ट के बाद एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, बस टर्मिनल, सरकारी कार्यालयों, अदालतों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है, वाहनों की जांच और सीसीटीवी निगरानी तेज कर दी गई है। सीटीटीसी का कहना है कि फिलहाल 5 अगस्त को लेकर किसी साजिश की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन एहतियात के तौर पर पूरे देश में कड़ी सतर्कता बरती जा रही है।

पुलिस वाहनों पर निगरानी

खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के बाद खास तौर पर पुलिस और अन्य कानून-व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों के वाहनों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस की जीप, ट्रक और बसों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस की ऑपरेशंस कंट्रोल ब्रांच (OCB) ने सभी इकाइयों को निर्देश दिया है कि सरकारी वाहनों की सुरक्षा चलते समय ही नहीं, बल्कि पार्किंग के दौरान भी सुनिश्चित की जाए। किसी भी वाहन को बिना निगरानी के न छोड़ने और संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई करने को कहा गया है।

बरी होने के बाद बोले बृजभूषण-जंतर मंतर से मुझे फांसी और जिंदा जलाने की मांग हो रही थी

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न मामले में बीजेपी के पूर्व सांसद बृज भूषण शरण सिंह को बड़ी राहत मिली है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार (3 जुलाई) को इस मामले में उन्हें बरी कर दिया है। उनके साथ ही विनोद तोमर को भी बरी कोर्ट ने बरी कर दिया। कोर्ट के फैसले के बाद बृज भूषण सिंह की प्रतिक्रिया सामने आई है।

बृज भूषण सिंह ने कहा कि जिस दिन उनके ऊपर आरोप लगा था उन्होंने तभी कह दिया था कि अगर आरोप साबित हो जाएगा तो वो खुद फांसी पर लटक जाएंगे। उन्होंने कहा कि आज कोर्ट ने उन्हें बाइज्जत बरी दिया ऐसे में ये उनके लिए और उनके समर्थकों के लिए बेहद खुशी की बात है। उन्होंने कहा 'होइहि सोइ जो राम रचि राखा'।

बृज भूषण शरण सिंह ने कहा '18 जनवरी 2023 को मैंने कहा था कि ये एक षड्यंत्र है। अगर मेरे ऊपर कोई आरोप सही पाया जाएगा तो मैं स्वतः फांसी पर लटक जाऊंगा। आज तक मैं उसी बात पर कायम रहा और आज लगभग 3 साल बाद कोर्ट ने मुझे और विनोद तोमर का बरी किया है'। उन्होंने कहा कि जंतर मंतर से उन्हें फांसी और जिंदा जलाने की मांग हो रही थी।

'मुझे विश्वास था न्याय होगा'

उन्होंने कहा 'मैं 15-16 साल की उम्र से संघर्ष देख रहा हूं। मैं हमेशा जो कमजोर थे, जिनका हक मारा जाता था मैं उनके पक्ष में खड़ा होता था। मुझे अपने आप पर विश्वास था। मुझे पूरा विश्वास था कि मेरे साथ न्याय होगा। और आज मेरे साथ न्याय हुआ। मैंने अपने आप को कभी अपराधी महसूस नहीं किया'।

'जो कहा था वो सच साबित हुआ'

बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि उन्होंने जो कहा था वो सच साबित हुआ और कोर्ट ने उन्हें बाइज्जत बरी कर दिया। उन्होंने कहा कि यह मेरे और मेरे समर्थकों के लिए खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि आज खुशी का दिन है, ऐसे में मैं बस इतना ही कहना चाहता हूं कि जो हो गया, सो हो गया।

बृजभूषण शरण के बेटे ने क्या कहा

वहीं कोर्ट के फैसले पर बृजभूषण शरण के बेटे और बीजेपी सांसद करण भूषण सिंह ने खुशी जाहिर की है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा 'मैं कोर्ट का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। यह सच्चाई, युवा पहलवानों और कैसरगंज की जीत है। आज हम देश के सामने मजबूती से खड़े हैं। जो पार्टियां उस समय मेरे पिता के खिलाफ बोल रही थीं, क्या वे आगे आकर कहेंगी कि उनके साथ जो हुआ, वह गलत था?'।

बीजेपी के कद्दावर नेताओं में शुमार

बृजभूषण शरण सिंह बीजेपी के कद्दावर नेताओं में शुमार हैं। वो उत्तर प्रदेश के कैसरगंज से बीजेपी के 6 बार सांसद रहे हैं। लेकिन इन आरोपों के चलते 2024 लोकसभा चुनाव में उन्हें चुनाव में टिकट नहीं दिया गया था। उनकी जगह उनके बेटे करण भूषण सिंह को पार्टी ने अपना उम्मीदवार बनाया था, जिन्होंने इन आरोपों के बीच भी शानदार जीत दर्ज की थी।

सीएम की जासूसी, हनीट्रैप की साजिश : अब एसटीएफ के हत्थे चढ़ा हमीम का दूसरा साथी, क्या बंगाल में पैर फैला रहा जैश?

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में एक खौफनाक साजिश का पर्दाफाश हुआ है। स्पेशल टास्क फोर्स की टीम ने आतंकी और आपराधिक नेटवर्क के एक ऐसे बड़े जाल को ध्वस्त किया है, जो राज्य के बड़े नेताओं को ब्लैकमेल करने और अपहरण करने की तैयारी में था। पुलिस ने जैश-ए-मोहम्मद (JeM) के संदिग्ध सहयोगी हमीम मंडल के दूसरे सबसे करीबी मददगार आदित्य सिंह उर्फ राज को हावड़ा के बेलिलियस रोड स्थित उसके ठिकाने से धर दबोचा है। क्राइम की इस पूरी पटकथा में आदित्य सिंह उर्फ राज की भूमिका एक 'लोकल खबरी' और 'जासूस' की थी। हावड़ा के बेलिलियस रोड का रहने वाला आदित्य लगातार भाजपा विधायक और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली कैबिनेट में राज्य मंत्री उमेश राय की रेकी कर रहा था। वह मंत्री और उनके परिजनों की पल-पल की मूवमेंट की जानकारी मुख्य आरोपी हमीम मंडल तक पहुंचाता था। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के बाद मंत्री उमेश राय को जो धमकी भरा कॉल आया था, उसके पीछे भी इसी आदित्य सिंह का हाथ होने की बात सामने आई है। इस गैंग का मकसद बेहद खतरनाक था। पाकिस्तान में बैठे आकाओं के इशारे पर यह सिंडिकेट बड़े नेताओं और प्रभावशाली लोगों के बच्चों व रिश्तेदारों को सोशल मीडिया के जरिए अपने जाल में फंसाता था। मॉडल और रील बनाने की शौकीन अर्पिता सरकार जैसी सहयोगियों के जरिए टारगेट को प्यार के जाल में फंसाकर (हनीट्रैप) ब्लैकमेल किया जाता था। अगर ब्लैकमेलिंग से बात नहीं बनती, तो अपहरण (किडनैपिंग) करके मोटी रकम वसूलने की पूरी योजना तैयार थी। इस पूरे केस की कड़ियां एक-एक करके खुलीं। एसटीएफ ने सबसे पहले मुख्य आरोपी हमीम मंडल को बर्धमान शहर से दबोचा था। उसी रात उसकी महिला सहयोगी अर्पिता सरकार को झारखंड के साहिबगंज से गिरफ्तार किया गया। दोनों से जब एसटीएफ की कस्टडी में कड़ाई से पूछताछ हुई।

'कई आर्टिस्ट के लिए नए रास्ते खोले हैं', अपने नए गाने को लेकर उत्साहित नोरा फतेही, कही ये बात

नोरा फतेही ने अपने नए गाने 'स्ले टू द रिदम' को लेकर उत्साह जाहिर किया है। उन्होंने बताया है कि यह गाना क्यूं बहुत खास है। उन्होंने इसे गर्मियों का गाना कहा है।

अभिनेत्री और गायिका नोरा फतेही ने हाल ही में अपना नया गाना 'स्ले टू द रिदम' रिलीज किया है। इस गाने को संजॉय ने लिखा है और इसमें यासीन इदरीसी और नोरा फतेही की आवाज है।

'चैंपियंस' और 'लॉक्ड इन' की कामयाबी के बाद नए गाने 'स्ले टू द रिदम' ने दर्शकों का उत्साह बढ़ा दिया है। यह गाना अपनी शानदार बीट्स, जोश भरे विजुअल्स, जबरदस्त रिदम के साथ डांस और म्यूजिक को लेकर चर्चा में है। जब से इसकी पहली झलक सामने आई है, फैंस इसका आनंद ले रहे हैं।

गर्मियों का है गाना

नोरा फतेही ने इस नए गाने को लेकर अपना उत्साह जाहिर करते हुए इंडिया टुडे से बातचीत में कहा, 'यह गर्मियों का एक जबरदस्त गाना है। यह दुनिया भर के म्यूजिक और डांसर्स को एक ट्रिब्यूट है। यह गाना इस बात का सबूत है कि कैसे इसने दुनियाभर के लोगों को जोड़ा है। इसने मुझ जैसे आर्टिस्ट के लिए कई रास्ते खोले हैं। यह म्यूजिक और डांस का जश्न है।'

कई रास्ते खुले

उन्होंने कहा, 'ये दोनों चीजें ही हैं जिन्होंने मेरे लिए कई रास्ते खोले और मुझे आप सभी से जोड़ा! डांस और म्यूजिक ने मुझे दुनिया भर की सैर कराई और नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया! मुझे उम्मीद है कि यह गाना आपको समाज की सोच से आजाद होने और हमेशा अपने दिल की बात सुनने के लिए प्रेरित करेगा।'

गाने के आखिर में दिया गया क्रेडिट

म्यूजिक वीडियो में शामिल सभी डांसर्स और परफॉर्मर्स को गाने के आखिर में क्रेडिट दिया गया है और उनके योगदान को दिखाने के लिए उन्हें खास स्क्रीन टाइम भी दिया गया है।

नोरा नए आर्टिस्ट्स को देती हैं प्लेटफॉर्म

नोरा अपने चल रहे 'डांस विद नोरा' प्रोजेक्ट के जरिए दुनिया भर के डांसर्स, परफॉर्मर्स और नए आर्टिस्ट्स को एक प्लेटफॉर्म देती रहती हैं।

यह प्रोग्राम युवा टैलेंट को अपनी काबिलियत दिखाने, पहचान बनाने और अपने लक्ष्यों को पाने के लिए अपना जोश बनाए रखने में मदद करता है।

विक्रम का चियान 63 में लुक देख उड़ गए होश, फैंस बोले- अब फिल्म का इंतजार नहीं होता

चियान विक्रम ने अपनी आने वाली फ़िल्म, जिसका अभी अस्थायी नाम चियान 63 रखा गया है, के बारे में एक नए अपडेट से एक बार फिर फ़ैन्स का ध्यान खींचा है। उनके बेटे ध्रुव विक्रम द्वारा शेयर किए गए बिहाइंड-द-सीन्स वीडियो से सोशल मीडिया पर काफ़ी उत्साह पैदा हुआ था। अब डायरेक्टर आनंद शंकर द्वारा फ़िल्म के पहले शूटिंग शेड्यूल के पूरा होने की घोषणा के साथ ही एक्टर फिर से चर्चा में आ गए हैं। इस अपडेट ने इस एक्शन एंटरटेनर फ़िल्म के लिए उत्साह और बढ़ा दिया है, क्योंकि फ़ैन्स विक्रम को लगभग एक दशक बाद इस फ़िल्ममेकर के साथ काम करते देखने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

डायरेक्टर आनंद शंकर ने सोशल मीडिया पर बताया कि चियान 63 का पहला शेड्यूल सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। उन्होंने इस घोषणा के साथ विक्रम की एक स्टाइलिश नई तस्वीर भी पोस्ट की, जिसमें एक्टर ने डार्क सनग्लासेस पहने हुए हैं और हाथ में आग की लपट पकड़े हुए हैं, जिसकी झलक उनके चश्मे के लेंस पर दिख रही है। यह शानदार तस्वीर वायरल हो गई और फैंस ने कमेंट सेक्शन में अपना उत्साह ज़ाहिर किया। कई लोगों ने इसे ज़बरदस्त अपडेट कहा और कहा कि वे बड़े पर्दे पर विक्रम का नया अवतार देखने के लिए बेताब हैं। इस घोषणा से यह भी कन्फर्म हुआ कि टीम जल्द ही फ़ाल्मिंग का अगला चरण शुरू करेगी, जिससे प्रोजेक्ट तय समय पर चलता रहेगा।

चियान 63 विक्रम और आनंद शंकर की दूसरी फ़िल्म है; इससे पहले उन्होंने 2016 की एक्शन थ्रिलर इरु मुगन में साथ काम किया था।

उनकी पिछली फ़िल्म बॉक्स ऑफ़िस पर सफल रही थी और सालों में उनकी एक वफ़ादार फ़ैन फ़ॉलोइंग बन गई है। इस बार उम्मीदें बहुत ज़्यादा हैं, खासकर विक्रम की हालिया रिलीज़ वीरा धीरा सूरन को मिली तारीफ़ के बाद। एक्टर ने अपने नए रोल के लिए काफ़ी फ़ज़िकिल ट्रांसफ़ॉर्मेशन भी किया है और उनका रफ़ लुक पहले से ही फ़िल्म की सबसे बड़ी चर्चाओं में से एक बन गया है।

चियान 63 में रिया शिबू लीड एक्ट्रेस के तौर पर नज़र आएंगी, जो इस फ़िल्म से तमिल सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं। इसके अलावा, फ़िल्म में शम्मी थिलाकन, एम.एस. भास्कर, उर्वशी और संयुक्ता हेगड़े भी अहम भूमिकाओं में हैं। फ़िल्म के म्यूज़िक डायरेक्टर संतोष नारायणन हैं और आनंद शंकर डायरेक्टर हैं। पहला शेड्यूल पूरा होने और दूसरा जल्द ही शुरू होने के साथ, चियान 63 का काम काफ़ी अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है।

ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस में मोनालिसा का बोल्ड अंदाज, फ्लोरल टियारा ने लूटी महफिल

भोजपुरी सिनेमा से लेकर टीवी जगत तक अपनी बोल्डनेस और बेहतरीन अदाकारी से पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस मोनालिसा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक नया फोटोशूट शेयर किया है, जिसमें उनका बेहद ग्लैमरस और बोल्ड अवतार देखने को मिल रहा है।

मोनालिसा ने इस फोटोशूट के लिए एक बेहद हॉट लिटिल ब्लैक ड्रेस को चुना है। उनकी यह ड्रेस मिनी बॉडीकॉन स्टाइल में है, जिसमें नेकलाइन और वेस्ट एरिया पर ट्रांसपेरेंट मेश फैब्रिक का इस्तेमाल किया गया है।

यह डीप-नेक मेश आउटफिट मोनालिसा के कर्वी और परफेक्ट फिगर को बेहद खूबसूरती से उभार रहा है, जो उनके लुक में बोल्डनेस का तड़का लगा रहा है।

तस्वीरों में मोनालिसा एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। कभी वे अपने दोनों हाथों को बालों पर रखकर सिजलिंग पोज दे रही हैं, तो कभी दीवार और चेयर के सहारे टिककर उनके कातिलाना एक्सप्रेशंस फैंस को दीवाना बना रहे हैं।

मोनालिसा ने अपने इस ग्लैम लुक को कम्प्लीट करने के लिए बालों को मिडिल पार्टिंग के साथ सॉफ्ट कर्ल्स देकर खुला छोड़ा है। कुछ तस्वीरों में वे अपने सिर पर लाल गुलाब के फूलों से बना एक खूबसूरत फ्लोरल टियारा पहने नजर आ रही हैं।

डार्क मैरून लिपस्टिक, वेल-शेप्ड आईब्रो और मिनिमल मेकअप मोनालिसा के फेशियल फीचर्स को परफेक्टली हाइलाइट कर रहा है। मोनालिसा का यह लेटेस्ट ब्लैक मेश ड्रेस लुक इंटरनेट पर जमकर ट्रेंड कर रहा है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com